तापमान

अधिकतम-26⁰C

न्यूनतम-14⁰C

प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

सांस्कृतिक महोत्सवः तहसील, जनपद, मण्डलीय मुख्यालय पर होंगी विभिन्न विधाओं में प्रतियोगितायेः जयवीर 3

अशरफ, सद्दाम और जैनब की तिकड़ी ने बनाया था वसूली का अलग गैंग, भाई के काम के बीच में नहीं आया अतीक 4

वर्ष : 09 अंक : 243 प्रयागराज, शुक्रवार 08 दिसम्बर 2023 www.prayagdarpanlive.com हिन्दी दैनिक पृष्ठ : 4 मूल्यः 3 रूपये

देश में सबसे पसंदीदा पार्टी है बीजेपी, तीन राज्यों में जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजाः पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज को चुनावी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासन के लिए लोगों की सबसे पसंदीदा पार्टी बन गई है क्योंकि सत्ता में रहते हुए चुनाव जीतने का उसका रिकॉर्ड कांग्रेस से काफी बेहतर है। भाजपा संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी की बड़ी जीत का श्रेय 'टीम भावना को दिया और कहा कि तीन राज्यों में जीत के अलावा तेलंगाना और मिजोरम में भी पार्टी की ताकत बढ़ी है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मोदी को उद्धृत करते हुए संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस ने उन राज्यों में एक कार्यकाल के लिए सत्ता में रहते हुए 40 बार विधानसभा चुनावों का सामना किया और उनमें से केवल सात में जीत दर्ज कर सकी। मोदी ने कहा कि भाजपा के लिए ये आंकड़े 39 में से 22 गुना हैं, यानी सफलता दर 56 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन किया है, लेकिन वे भाजपा से बेहतर नहीं कर सके क्योंकि उन्होंने सत्ता में रहते हुए 36 में से 18 बार जीत हासिल की और 50 प्रतिशत की सफलता दर हासिल की।उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि भाजपा सरकार चलाने के लिए सबसे पसंदीदा पार्टी है। इससे पहले, संसदीय दल की बैठक में हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी के शानदार प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। विधानसभा चुनावों में भाजपा ने मध्य प्रदेश में अपनी सत्ता बरकरार रखी वहीं कांग्रेस को राजस्थान और छत्तीसगढ़ की सत्ता से बाहर कर दिया। तेलंगाना में भी पार्टी ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। संसद भवन परिसर में हो रही इस बैठक में प्रधानमंत्री के पहुंचते ही भाजपा सांसदों ने खड़े होकर तालियां बजाई और स्वागत है भाई स्वागत है, मोदी जी का स्वागत है के नारे लगाए। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच प्रधानमंत्री को माला पहनाकर उनका स्वागत किया। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल सहित कई केंद्रीय मंत्री और पार्टी के सांसद मौजूद थे। भाजपा संसदीय दल की बैठक में पार्टी के सभी लोकसभा सदस्य और राज्यसभा सदस्य शामिल होते हैं।

भाजपा नतीजों के तीन दिन बाद भी तय नहीं कर पाई सीएम, कांग्रेस बोली-अब बीजेपी से सवाल क्यों नहीं पूछ रहे?

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मुख्यमंत्रियों के नाम की घोषणा में 'देरी को लेकर बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष करते हुए कहा कि चुनाव नतीजों के तीन दिन बीत जाने के बावजूद भाजपा इन प्रदेशों में नाम तय नहीं कर पाई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि आखिर भाजपा से इस 'देरी के लिए सवाल क्यों नहीं किया जा रहा है, जबकि कांग्रेस से 24 घंटे में ही सवाल शुरू हो जाते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ''एक्स पर पोस्ट किया, ''तीन दिसंबर को चुनाव परिणाम आए थे। उसके 24 घंटे के भीतर ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री की नियुक्ति में तथाकथित देरी के लिए मीडिया में सभी जगह कांग्रेस पार्टी की आलोचना होने लगी थी। हमारे मुख्यमंत्री की घोषणा तो परसों ही हो चुकी है और आज दोपहर एक बजे वह शपथ लेने जा रहे हैं। रमेश ने कहा, ''तीन दिन बीतने के बाद भी भाजपा छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लिए अपने मुख्यमंत्रियों की घोषणा तक नहीं कर पाई है। इसे उतनी ही बेचैनी और प्रमुखता से क्यों नहीं उठाया जा रहा है, जैसे कांग्रेस के समक्ष उठाया जाता है। क्या वास्तव में देर नहीं हो रही है? कांग्रेस ने मंगलवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के नाम की घोषणा कर दी थी। हालिया विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को जीत मिली है, जबकि तेलंगाना में कांग्रेस जीती है।

दिल्ली पहुंची वसुंधरा राजे सिंधिया ने अमित शाह और जेपी नड्डा से मिलने का मांगा समय

नई दिल्ली। राजस्थान में किसी नए चेहरे को मुख्यमंत्री बनाने की संभावनाओं के बीच पार्टी आलाकमान से मुलाकात कर अपना पक्ष रखने के लिए राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया दिल्ली पहुंच गई है। सूत्रों की माने तो, वसुंधरा राजे सिंधिया ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात का समय मांगा है। बताया जा रहा है कि वसुंधरा राजे सिंधिया पार्टी के दोनों शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर अपना पक्ष रखना चाहती हैं। बता दें कि राजस्थान विधानसभा चुनाव के चुनावी नतीजे आने के बाद से ही जिस तरह से वसुंधरा राजे सिंधिया के जयपुर स्थित आवास पर विधायकों का मिलना-जुलना शुरू हो गया था, उससे यह संदेश जा रहा था कि वसुंधरा राजे सिंधिया मुख्यमंत्री पद को लेकर आलाकमान पर दबाव बनाने के लिए विधायकों की लामबंदी कर अपना शक्ति प्रदर्शन कर रही हैं।

रेवंत रेड्डी ने ली सीएम पद की शपथ, भट्टी विक्रमार्क बने डिप्टी सीएम

हैदराबाद। अनुमुला रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने उन्हें एल.बी. स्टेडियम में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान हजारों लोग मौजूद थे। 54 वर्षीय नेता ने अपने समर्थकों के जोरदार जयकारों के बीच भारत के सबसे युवा राज्य के दूसरे मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। रेवंत रेड्डी दोपहर 1.04 बजे शपथ लेने वाले थे, लेकिन शपथ ग्रहण में 15 मिनट की देरी हुई। दलित नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।रेवंत रेड्डी सजी हुई खुली गाड़ी में खड़े होकर शपथ लेने के लिए कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के साथ स्टेडियम पहुंचे। शपथ ग्रहण में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, के.सी. वेणुगोपाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और अन्य शीर्ष कांग्रेस नेता शामिल हुए।

भारतीय अर्थव्यवस्था में पहली बार विनिर्माण निर्यात को मिली बढ़तः अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज दावा किया कि भारत की अर्थव्यवस्था एक ऐतिहासिक मोड़ पर पहुंच गयी है जहां निर्यात बाजार में विनिर्माण क्षेत्र ने सेवा क्षेत्र को पीछे छोड़ दिया है और जल्दी ही भारत का निर्यात एक ट्रिलियन डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया भारत आज हर साल एक करोड़ 80 लाख नये रोजगार अवसर पैदा कर रहा है। श्री वैष्णव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में ये जानकारियां साझा कीं। श्री वैष्णव ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था एक ऐतिहासिक मोड़ पर पहुंच गयी है। देश में लंबे समय से विनिर्माण यानी मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को बढ़ावा देने की बात कही जाती रही लेकिन ऐसा हो नहीं पाया था। बीते 40 से 50 साल के दौरान भारत में विनिर्माण लगातार घटता रहा और हम उसकी क्षमता का दोहन नहीं कर पाये। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इंडिया के नारे का मजाक उड़ाते थे और आज हालात खुद उनका ही मजाक उड़ाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि आज हम उस स्थिति में पहुंच गये हैं जब हमारा निर्यात एक ट्रिलियन यानी दस खरब डॉलर के करीब पहुंचने वाला है और जल्दी ही हम इस स्तर को पार कर लेंगे। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय निर्यात 7.62 खरब डॉलर से अधिक का रहा। इसमें से विनिर्माण निर्यात 4.53 खरब डॉलर और सेवा क्षेत्र निर्यात 3.09 खरब डॉलर का रहा। उन्होंने बताया कि पहले हम केवल तीन चार वस्तुओं का भी निर्यात करते थे। अब निर्यात करने वाली वस्तुओं की सूची भी लंबी हो रही है। बीते वर्ष हुए निर्यात में सर्वाधिक 97 अरब डॉलर पेट्रोलियम पदार्थ, 19 अरब डॉलर फार्मास्युटिकल्स, 12 अरब डॉलर टेलीकॉम उपकरण, 11 अरब डॉलर इलैक्ट्रिकल मशीनरी, 8 अरब डॉलर एल्युमिनियम उत्पाद, 8.7 अरब डॉलर मोटर वाहन एवं कार तथा चार अरब डॉलर के इलैक्ट्रॉनिक्स उपकरण का निर्यात हुआ है। उन्होंने कहा कि जापान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और चीन आदि विकसित देशों की अर्थव्यवस्था का विस्तार एवं स्थायित्व विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती पर ही आधारित रहा है। इसलिए भारत को भी विकसित देशों की श्रेणी में लाने के लिए भारत में विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मेक इन इंडिया, डिजाइन इन इंडिया, इनोवेट इन इंडिया जैसे मिशनों की बड़ी भूमिका रही है। आज भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता एवं लागत दोनों वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी हैं और इसी से हमारा निर्यात बढ़ रहा है।श्री वैष्णव ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र के मजबूत होने से रोजगार भी तेजी से बढ़े हैं और भविष्य निधि के खातों का अध्ययन करें तो पाएंगे कि पहले औपचारिक रोजगार छह लाख प्रति माह के स्तर पर था, वह अब 14 से 15 लाख प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है।

खबरें एक नजर में

टीवी सीरियल मधुवाला फेम एक्टर मर्डर के आरोप में गिरफ्तार, पड़ोसी को मारी गोली

बिजनोर। लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेता ने कथित तौर पर अपने पड़ोसियों पर गोली चला दी, जिसमें एक की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए, जिसके बाद एक लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेता को गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये प्यार ना होगा कम और मधुबाला जैसे लोकप्रिय टीवी शो में अभिनय कर चुके भूपिंदर सिंह बिजनोर में अपने खेत के पास बाड़ लगा रहे थे। उनके खेत के बगल में गुरदीप सिंह की कृषि भूमि है। विवाद तब शुरू हुआ जब भूपिंदर ने बाड़ लगाने के लिए यूकेलिप्टस के कुछ पेड़ काटने का फैसला किया। बहस झगड़े में बदल गई और भूपिंदर और उसके तीन साथियों ने गुरदीप सिंह के परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया। झड़प के दौरान भूपिंदर ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली चला दी। गोलीबारी में गुरदीप सिंह के 22 वर्षीय बेटे गोविंद की मौत हो गई और वह, उनका बेटा अमरीक और पत्नी बीरो बाई घायल हो गए। फिलहाल तीनों का इलाज चल रहा है. भूपिंदर को हत्या, हत्या के प्रयास और जानबूझकर चोट पहुंचाने समेत अन्य आरोपों के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन पर आर्म्स एक्ट के तहत भी आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा उनके तीन सहयोगियों - ज्ञान सिंह, जीवन सिंह और गुरजंत सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है।

कश्मीर में ठंड का प्रकोप बढ़ा, श्रीनगर में शून्य से पारा नीचे, इस साल अब तक की सबसे ठंडी कटी रात

श्रीनगर। घाटी में ठंड बढ़ने के कारण कश्मीर में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से नीचे पहुंच गया है। अधिकारियों ने वीरवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के तापमान से दो डिग्री सेल्सियस कम था।उन्होंने कहा कि बुधवार की रात इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात थी। उन्होंने बताया कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बारामूला जिले के गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया वहीं काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे था। दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा जबकि कुपवाड़ा में यह शून्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। मौसम कार्यालय ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि 11 दिसंबर तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, लेकिन मौसम शुष्क रहेगा और रात के तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है। विभाग ने कहा कि 12 से 15 दिसंबर के बीच जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश,बर्फबारी का अनुमान है।

दिल्ली एम्स में आपात बेड बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस के विवेक तन्खा ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान-एम्स के आपात कालीन विभाग में बिस्तर बढ़ाने की मांग की।श्री तन्खा ने सदन में शून्य काल के दौरान 'सभापति की अनुमति से उठायें गये मामले' में कहा कि दिल्ली एम्स में आपात स्थिति में आने वाले रोगियों की भारी भीड़ है। प्रतिदिन लगभग ढाई सौ लोग आपात स्थिति में पहुंचते हैं लेकिन एम्स में केवल 82 आपात बिस्तर है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आपात बिस्तरों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि एम्स के डॉक्टरों की निजी अस्पतालों में बहुत मांग है। सेवानिवृत्ति के बाद ये डॉक्टर मोटे वेतन पर निजी अस्पतालों में चले जाते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को एम्स के डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष से बढ़कर 70 वर्ष कर देना चाहिए। इस संबंध में एक प्रस्ताव प्रधानमंत्री कार्यालय में लंबित है। इस पर शीघ्र फैसला लेना चाहिए।भारतीय जनता पार्टी के ईरण्ण कडाडीघ् ने कित्तूर की रानी चेन्नम्मा पर राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की। उन्होंने अपना वक्तव्य कन्नड़ भाषा में दिया। उन्होंने कहा कि चेन्नम्मा रानी राष्ट्र का गौरव है।

अमेरिका के आरोप पर भारत ने जांच समिति बनायीः जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरूवार को राज्यसभा को बताया कि भारत ने अमेरिका के उस आरोप की जांच के लिए एक जांच समिति का गठन किया है जिसमें अमेरिका ने उसके यहां एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या की साजिश में एक भारतीय का हाथ बताया है। श्री जयशंकर ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में कहा कि अमेरिका ने इस मामले में भारत के साथ संगठित अपराधों और कुछ अन्य गतिविधियों के बारे में ऐसी जानकारी साझा की है जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी है और भारत के लिए चिंता का विषय है। इसीलिए इस मामले की जांच के लिए एक जांच समिति का गठन किया गया है। कनाड़ा द्वारा भी इसी तरह का आरोप लगाये जाने से संबंधित सवाल के जवाब में विदेश मंत्री ने कहा कि कनाड़ा ने इस संबंध में अब तक किसी तरह का पुख्ता सबूत नहीं दिया है इसलिए इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं की जा सकती।एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह स्वयं और कुछ अन्य केन्द्रीय मंत्री विदेशों में 'ओवरसीज फ्रेन्डस ऑफ बीजेपी' के कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री जब भी विदेशों में जाते हैं तो वे वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से मिलते हैं। वे लोग भारत की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं इसलिए उनसे मंत्री मिलते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन सच्चाई यह भी है कि मंत्री पहले अपना कार्य करते हैं और जिम्मेदारी पूरी करने के बाद भारतीय समुदाय के लोगों से मिलते हैं।

राजस्थानः भाजपा के पांच विधायकों का रिजॉर्ट में ठहरने से लॉबिंग की अटकलें

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पांच विधायकों के मंगलवार को जयपुर के एक रिजॉर्ट में एक साथ ठहरने से लॉबिंग की अटकलें शुरू हो गई। हालांकि पार्टी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी इस तरह की किसी संभावना को खारिज किया है। कोटा संभाग के विधायकों ने मंगलवार रात सीकर रोड स्थित एक रिजॉर्ट में चेक इन किया। उनमें से एक ललित मीणा (किशनगंज) को संदेह हुआ कि यह विधायकों की बाड़ाबंदी जैसा कुछ है क्योंकि अन्य विधायक कोटपूतली में दूसरे रिजॉर्ट में जाने की बात कर रहे थे। उन्होंने अपने पिता हेमराज मीणा को इसकी जानकारी दी जिसके बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को सूचित किया गया। पार्टी के कुछ नेता रिजॉर्ट पहुंचे और विधायक को बुधवार तड़के पार्टी कार्यालय लाया गया। पार्टी सूत्रों ने इसकी पुष्टि की। संपर्क करने पर ललित मीणा ने विवरण देने से इनकार कर दिया। उन्होंने को बताया, रात में जो कुछ भी हुआ उस बारे में मैंने पार्टी नेताओं को सूचित कर दिया है। पार्टी मेरा परिवार है और यह हमारा पारिवारिक मामला है। उनके पिता हेमराज मीणा ने बताया कि उनके बेटे को एक विधायक कंवर लाल मीणा ने मिलने के लिए बुलाया था। बाद में उन्होंने उसे रिजॉर्ट से बाहर नहीं निकलने दिया। हेमराज ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, जब मुझे विधायक बेटे फोन आया तो मैंने तुरंत पार्टी नेताओं को इसकी जानकारी दी । हम रिजॉर्ट में गए जहां कंवर लाल मीणा से विवाद हो गया। हालांकि, हम ललित को पार्टी कार्यालय ले आए। जब उनसे पूछा गया कि विधायक किसके निर्देश पर वहां ठहरे हुए हैं तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है और इस बारे में कंवर लाल मीणा ही बता सकते हैं। विधायक कंवर लाल से संपर्क नहीं हो सका। इस बीच, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि बाड़ाबंदी जैसा कुछ नहीं है और विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्रों में हैं। उन्होंने मीडिया से कहा, कोई बाड़ाबंदी नहीं है। विधायक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को लेकर कोई भी फैसला विधायक दल की बैठक के बाद किया जाएगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के बाद बैठक बुलाई जाएगी।

जगन्नाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए खास व्यवस्था करेगी ओडिशा सरकार

पुरी। ओडिशा सरकार ने जगन्नाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कतार प्रबंधन प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के वास्ते पुरी स्थित ग्रैंड रोड पर वातानुकूलित लचीली फैब्रिक संरचना स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ओडिशा ब्रिज एंड कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओबीसीसी) के एक वरिष्ठ अभियंता प्रभात कुमार पाणिग्रही ने कहा कि कपड़े की यह लचीली संरचना तीन तरफसे ढकी होगी और यह एक सुरंग की तरह दिखेगी। यह 12 मीटर चौड़ी और 84 मीटर लंबा होगी। ओबीसीसी, पुरी में विरासत गलियारा परियोजना के तहत विभिन्न बुनियादी ढांचे का कार्यान्वयन कर रहा है। पाणिग्रही ने कहा कि यह संरचना ग्रैंड रोड पर मंदिर से पहले धर्मज्योति लॉज से मंदिर कार्यालय तक नाले से लगभग दो मीटर की दूरी पर स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि समर्पित गलियारे का उपयोग केवल मंदिर में प्रवेश के लिए किया जाएगा।

करणी सेना प्रमुख गोगामेड़ी का अंतिम संस्कार

जयपुर। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी का अंतिम संस्कार गुरुवार को किया जाएगा। गुरुवार को मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद गोगामेड़ी का शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिवार और समाज के लोग पार्थिव शरीर को राजपूत सभा भवन ले गए, जहां बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने उनके अंतिम दर्शन किए।इसके बाद यहां से श्रद्धांजलि मार्च निकला और जगह-जगह हजारों की संख्या में लोगों ने पुष्प वर्षा की। यात्रा भवानी निकेतन, चौमूं, रींगस, सीकर, लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर, चूरू, तारानगर, साहवा, भादरा होते हुए उनके निवास स्थान गोगामेड़ी (हनुमानगढ़) पहुंचेगी, जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। गोगामेड़ी हत्याकांड मामले में 11 सूत्री मांगों पर सहमति बनी है। जांच एनआईए को सौंपने की सिफारिश के बाद परिजन पोस्टमॉर्टम कराने को तैयार हुए। मामले में दो एफआईआर दर्ज की गई है। गोगामेड़ी की पत्नी शीला शेखावत ने हत्या का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके पति ने सीएम और डीजीपी से तीन बार पुलिस सुरक्षा मांगी, लेकिन नहीं दी गई। इस मामले में श्याम नगर एसएचओ मनीष गुप्ता, बीट प्रभारी और बीट कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। दूसरी एफआईआर उस स्कूटर सवार ने दर्ज कराई है, जो शूटरों की गोलीबारी में घायल हो गया था और उसकी स्कूटी छीन ली गई थी। इससे पहले बुधवार को करणी सेना ने गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में राजस्थान बंद का आह्वान किया था, जिसका असर पूरे राज्य में देखने को मिला। बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों ने कई इलाकों में तोड़फोड़ की। जयपुर के गोपालपुरा, त्रिवेणी नगर और मानसरोवर में तोड़फोड़ हुई। कई चौराहों पर टायर जलाए गए और कई जगहों पर ट्रेनें रोकी गईं। हत्याकांड के बाद बनी कमेटी ने प्रशासन और पुलिस से तीन बार बातचीत की, लेकिन मामला नहीं सुलझ सका। पहली बातचीत बुधवार दोपहर करीब 2.30 बजे हुई। बैठक में राजपूत समाज के पदाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ एवं अतिरिक्त आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप एवं अन्य अधिकारी शामिल हुए। पहली वार्ता में पदाधिकारियों ने करीब दो दर्जन मांगें रखीं। इसके बाद कमिश्नर ने सचिवालय स्तर के अधिकारियों से बात की और दूसरी वार्ता बुलाई गई, लेकिन कुछ मांगों पर सहमति नहीं बनने के कारण असफल रही। अधिकारियों से दोबारा बातचीत के तुरंत बाद देर शाम तीसरी बैठक बुलाई गई, जिसमें जांच एनआईए को सौंपने समेत 11 सूत्री मांगों पर सहमति बनी।

किताब के बहाने डॉ कफील को घेरने की कोशिश

साल 2017 में गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण बच्चों की मौत के बाद चर्चा में आए डॉ कफील खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनके और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ उस किताब को लेकर मामला दर्ज किया गया है, जो डॉ कफील ने दो साल पहले द गोरखपुर हॉस्पिटल ट्रेजेडी रू अ डॉक्टर्स मेमॉयर ऑफ अ डेडली मेडिकल क्राइसिस शीर्षक से लिखी और प्रकाशित करवाई थी। लखनऊ के एक व्यापारी मनीष शुक्ला ने पुलिस को की गई अपनी शिकायत में कहा है कि इस किताब के जरिए राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने और केंद्र के खिलाफ बातें कही गई हैं। शुक्ला ने आरोप लगाया है, कि लोगों को सरकार के खिलाफ भड़काने और समाज में विभाजन पैदा करने के लिए डॉ. कफील खान द्वारा लिखी गई किताब बांटी जा रही है। भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के उल्लंघन के तहत दर्ज शिकायत के अनुसार, डॉ. कफील खान की किताब उनके समर्थकों को धन जुटाने और अपनी बेगुनाही साबित करने के लिये बेची जा रही है। एक खबरिया वेबसाइट के मुताबिक मनीष शुक्ला ने बताया है कि उसने चार-पांच लोगों को फोन पर इस साजिश के बारे में चर्चा करते हुए सुना। जबकि दूसरी वेबसाइट ने शिकायत का संदर्भ देते हुए लिखा है कि मनीष शुक्ला 1 दिसंबर को किसी काम से माताजी की बगिया गए थे। वहां गुमटी के पीछे चार-पांच लोग बातचीत कर रहे थे। वे सभी राज्य सरकार, उनके मंत्रियों व वरिष्ठ अफसरों को लेकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। वे कह रहे थे कि डॉ कफील ने गुप्त रूप से एक किताब छपवाई है, उसे प्रदेश भर में बांटा जा रहा है। वे लोग को किताब लोकसभा चुनाव से पहले समुदाय विशेष के हर शख्स तक पहुंचाने की बात कर रहे थे और कह रहे थे कि किसी भी कीमत पर सरकार को उखाड़ फेंकना है, चाहे इसके लिए दंगा ही क्यों न करवाना पड़े।श् शुक्ला ने कहा कि साजिश करने वाले अपनी बातें सुने जाने की भनक लगते ही मौके से भाग खड़े हुए। इस प्रकरण पर आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर-जो खुद भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं, ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि जानबूझकर परेशान करने के लिए यह एफआईआर दर्ज की गई है और कई ऐसी धाराएं लगाई गई है जो स्वयं मामला दर्ज करने के लिए दी गई तहरीर से ही नहीं बनती हैं। इनमें कूटरचना से जुड़ी धाराएं, 465, 467, 471 और किसी पूजा स्थल को क्षतिग्रस्त करने से जुड़ी धारा 295 शामिल है। श्री ठाकुर ने कहा कि किताब को चोरी-छिपे छपवाये जाने का आरोप भी पूरी तरह गलत दिखाई पड़ता है क्योंकि वह तो ऑनलाइन उपलब्ध है। ऐसा मालूम होता है कि सत्ताधारी पार्टी के विरोध में पुस्तक लिखने के कारण डॉ. कफील के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया है। कृष्णा नगर थाने के एसएचओ जितेंद्र प्रताप सिंह ने भी कहा कि अभी तक किताब में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है। आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष और एसएचओ- दोनों के कथन से साफ है कि डॉ. कफील को फिर बलि का बकरा बनाने की कोशिश की जा रही है। वेबसाइट श्द क्विंटश् से बातचीत में डॉ कफील खान ने कहा भी कि आप देखिए, चुनाव आ रहे हैं और एक पंचिंग बैग की जरूरत है। वे जाहिर तौर पर फिल्म के लिए शाहरुख खान को तो नहीं छू सकते, लेकिन मेरे खिलाफ तो कार्रवाई कर सकते हैं। मालूम हो कि डॉ. कफील ने कुछ दिन पहले ही शाहरुख खान की फिल्म जवान का एक हिस्सा अपनी किताब से प्रेरित बताया था और उसके लिये शाहरुख को धन्यवाद भी दिया था। ये पहली बार नहीं है जब सरकार से असहमत या उसके विरोधी किसी व्यक्ति के खिलाफ केवल शक या सुनी सुनाई बातों की बिना पर कार्रवाई कर दी गई हो। खुद डॉ कफील अपने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में महीनों जेल में रहे और फिर अदालत ने बाइज्जत उनकी रिहाई का हुक्म दिया। अभी भी कई मामले उनके खिलाफ चल रहे हैं। सवाल ये है कि उनकी किताब जब दो साल से ऑनलाइन ही सही, बाजार में है और ऐसी है कि उससे किसी सरकार को खतरा पैदा हो सकता है तो इतने दिन प्रशासन और पुलिस चुप क्यों बैठे रहे?जिस देश में जरा जरा सी बात पर लोगों की भावनाएं आहत होने के मामले फौरन कायम हो जाते हैं, सरकार के खिलाफ बोलने वालों को नक्सली या आतंकवादी बता दिया जाता है, क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरे देश की जीत पर लोग बिना देर किये गाली-गलौज करने लगते हैं और उस देश की टीम के कप्तान की पत्नी और बेटी से बलात्कार की धमकी देने लगते हैं, वहां एक खतरनाक किताब को दो साल तक क्यों बर्दाश्त किया जाता रहा? क्या शिकायत करने वाले ने उस किताब को खुद पढ़ा भी है या महज खुसुर-पुसुर सुनकर उसने किताब के बारे में धारणा बना ली? या फिर शुक्ला जी को शरलक होम्स समझकर उनकी बात को सच मान लिया गया? कहीं ऐसा तो नहीं कि डॉ. कफील को ताउम्र सलाखों के पीछे न रख पाने की खुन्नस उनकी किताब के बहाने निकाली जा रही हो?

सोशल मीडिया और आतंकवाद विरोधी अभियान

22 और 23 नवंबर के दिन जम्मू-कश्मीर के राजौरी के कालाकोट में 24 घंटे से अधिक समय तक चले आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन में पांच जवानों ने हिस्सा लिया, इनमें भारतीय सेना के दो युवा अधिकारी और लश्कर के उच्च प्रशिक्षित कमांडेंट भी शामिल थे. -ए-तैयबा. -तैयबा (एलईटी) और उसके सहयोगी। ज्हत्या कर दी गई. यद्यपि यहां इरादा घटना का सैन्य विश्लेषण करने का नहीं है, लेकिन एक बार फिर से आधिकारिक सुदृढीकरण की कमी के तथ्य का उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि भारतीय सेना के नेताओं ने उदाहरण के तौर पर सैनिकों का नेतृत्व करना जारी रखा। बेशक, सेना इस ऑपरेशन से सैन्य सबक लेकर अपनी रणनीति और योजना में उचित बदलाव करेगी। डिक्री का उद्देश्य इस प्रकार के आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म (एसएम), विशेषकर व्हाट्सएप के उपयोग के नाजुक मुद्दे को उजागर करना है।जैसा कि हम सभी जानते हैं, आतंकवादी समूह दुष्प्रचार फैलाने और भर्ती सहित अन्य उद्देश्यों के लिए सामाजिक नेटवर्क के धन का उपयोग करते हैं। हालाँकि, आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान आम लोगों द्वारा सोशल नेटवर्क प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग हमेशा अच्छा संकेत नहीं होता है। प्राकृतिक आपदाओं जैसी संकटपूर्ण स्थितियों में, आबादी के प्रभावित क्षेत्रों और सहायता प्रदाताओं के सामाजिक नेटवर्क में संदेशों के परिणामस्वरूप कई गुना ताकतें पैदा होती हैं।ज्यादातर मामलों में, एसएम प्लेटफॉर्म वास्तविक समय में जानकारी प्रसारित करने, अलर्ट करने, सहायता और राहत का समन्वय करने और धन की मांग करने आदि के लिए प्राकृतिक आपदाओं का जवाब देने का एकमात्र तरीका रहा है।

चुनाव नतीजों के बाद मुख्यमंत्रियों की पसंद पर ध्यान केंद्रित

कड़े दल-बदल विरोधी कानूनों के बावजूद, विधायकों को पाला बदलने के लिए बड़ी रकम का प्रलोभन दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर जीतने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है। राजनीतिक दल सरकार छीनने के लिए जरूरी विधायकों को खरीदने के लिए भांति-भांति के हथकंडे अपनाते हैं। भाजपा अपनी सफलता से उत्साहित है और चिंतित भी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद नये मुख्यमंत्री कौन होंगे, इसे लेकर अटकलें तेज हैं। भाजपा ने तीन और कांग्रेस ने एक राज्य में जीत हासिल की है। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को हराकर जीत हासिल की है। हालांकि भाजपा ने उत्तर भारत में खुद को मजबूत कर लिया है, दक्षिण में उसे अभी भी पैर जमाना बाकी है। भाजपा की सफल चुनावी रणनीति ने उसके समर्थकों को एकजुट किया और आंतरिक संघर्षों को कम किया। संसद सदस्यों को उम्मीदवार के रूप में खड़ा करने से पार्टी को तीन प्रमुख राज्यों में आंतरिक तोड़फोड़ को कम करने में मदद मिली। अपने मजबूत स्थानीय नेतृत्व के कारण कांग्रेस को तेलंगाना में बढ़त मिली। पार्टी को कई नेताओं के दलबदल से भी बहुत फायदा हुआ, जो इसे एक व्यवहार्य दावेदार के रूप में देखने लगे, खासकर कर्नाटक में इसकी सफलता के बाद। एक बार जब यह स्पष्ट हो गया कि यह सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) के लिए एक गंभीर चुनौती है, तो मतदाता कांग्रेस की ओर स्थानांतरित हो गये। भाजपा और कांग्रेस ने चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की। दोनों पार्टियों को यह तय करना होगा कि स्थापित नेताओं को जारी रखना है या नये नेतृत्व की तलाश करनी है। कांग्रेस को तय करना होगा कि रेवंत रेड्डी को नियुक्त किया जाये या किसी नये चेहरे को। भाजपा के पास कई संभावित उम्मीदवार हैं, इसलिए मुख्य सवाल यह है कि नये नियमों को कैसे लागू किया जाये। भाजपा वसुन्धरा राजे, शिवराज सिंह चौहान और रमन सिंह जैसे पुराने नेताओं को चरणबद्ध तरीके से बाहर करने के पक्ष में है, जो अपनी पारी खेल चुके हैं। नये उम्मीदवारों का चयन करते समय एक अन्य महत्वपूर्ण कारक उनकी जाति है। जातियों का विविध मिश्रण आवश्यक है, इसे राजपूतों या अगड़ी जातियों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। साथ ही उनके प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनावों में राज्यों के लिए एक उपयुक्त उम्मीदवार चाहते हैं। हैट्रिक लगाने के लिए यह उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।उदाहरण के तौर पर मध्य प्रदेश पर नजर डालते हैं। सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्रियों में से एक, शिवराज सिंह चौहान पद पर बने रहने के लिए तैयार हैं। मध्य प्रदेश में एक कार्यक्रम के दौरान, चौहान ने जनता से उनकी राय भी मांगी कि क्या उन्हें निर्वाचित होने पर फिर से मुख्यमंत्री पद के लिए खड़ा होना चाहिए। मध्य प्रदेश में शीर्ष पद के लिए कई संभावित उम्मीदवार हैं। इनमें तीन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, फग्गन सिंह कुलस्ते और प्रह्लाद पटेल शामिल हैं, जो कई विकल्प प्रदान करते हैं। पार्टी के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और कमल नाथ सरकार को गिराने में मदद करने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी संभावित उम्मीदवारों की सूची में हैं। राजस्थान में प्रमुख उम्मीदवार पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे होंगी। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव और अश्विनी वैष्णव, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्री अर्जुन मेघवाल और महंत बालकनाथ भी दौड़ में हैं।राजवर्धन राठौड़ राजपूत हैं और कई बार कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। सतीश पूनिया ने राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं जब पार्टी सत्ता से बाहर थी। 2023 की शुरुआत में, ब्राह्मण समुदाय से आने वाले दो बार के सांसद सी.पी. जोशी ने पूनिया की जगह राज्य भाजपा अध्यक्ष पद संभाला। गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, नई पीढ़ी के भाजपा नेता, राजस्थान में मुख्य मंत्री पद के संभावित उम्मीदवार हैं। छत्तीसगढ़ में भी पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह सबसे आगे हैं। 2018 तक 15 वर्षों तक छत्तीसगढ़ पर शासन करने वाले बीएएमएस डॉक्टर रमन सिंह राज्य में पार्टी का सबसे पहचाना चेहरा हैं। 2003 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बनने से पहले वह केंद्रीय मंत्री थे। हालांकि, पिछले पांच वर्षों में उन्हें दरकिनार कर दिया गया है। विष्णुदेव साव भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। उनकी छवि साफ-सुथरी है वह आरएसएस परिवार से आते हैं और महत्वपूर्ण नेता बनकर उभरे हैं। भरतपुर-सोनहत निर्वाचन क्षेत्र से एक प्रमुख आदिवासी नेता, केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह एक और विकल्प हैं। कांग्रेस को अपनी ओर से तेलंगाना में पार्टी को एकजुट रखने के लिए एक नेता चुनना होगा। बी.आर.एस. के नेता के.चंद्रशेखर राव, अन्य दलों के सदस्यों को लुभाने की अपनी प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से, कांग्रेस ने अपने झुंड की रक्षा करने की क्षमता खो दी है। यह गोवा, कर्नाटक और अन्य राज्यों में दिखाई दिया। तेलंगाना में रेवंत रेड्डी सबसे संभावित उम्मीदवार हैं। वह मजबूत रेड्डी परिवार से हैं और उनकी कार्यशैली के लिए पार्टी के भीतर से आलोचनाओं के बावजूद उन्हें कांग्रेस नेतृत्व का पूरा समर्थन प्राप्त था। उन्होंने एक छात्र नेता के रूप में ए.बी.वी.पी. से शुरूआत की और शीर्ष पर चले गये।रेड्डी को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें 2024 में लोकसभा चुनाव में अधिक सीटें जीतना भी शामिल है। हालांकि, उनके लिए अपनी पार्टी को एकजुट रखना अधिक महत्वपूर्ण है। हाल ही में, अस्थिरता की शुरुआत खरीद-फरोख्त से हो चुकी है, जो सरकार बनने के तुरंत बाद शुरू हो जाती है। कड़े दल-बदल विरोधी कानूनों के बावजूद, विधायकों को पाला बदलने के लिए बड़ी रकम का प्रलोभन दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर जीतने वाली पार्टी की सरकार गिर जाती है। राजनीतिक दल सरकार छीनने के लिए जरूरी विधायकों को खरीदने के लिए भांति-भांति के हथकंडे अपनाते हैं। भाजपा अपनी सफलता से उत्साहित है और चिंतित भी और इसलिए उसने 2024 चुनावों के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। भाजपा के प्रचंड बहुमत के बाद विपक्षी समूह इंडिया स्थिति का आकलन कर रहा है।

-कल्याणी शंकर

नई तेलंगाना सरकार की चुनौतियां’

कांग्रेस का चेहरा रहे रेवंत रेड्डी तेलंगाना के मुख्यमंत्री बन गए हैं। चुनावों में कांग्रेस को बहुमत हासिल होने के बाद रेवंत रेड्डी ही मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे थे। अंततः कांग्रेस हाईकमान ने उनके नाम पर मोहर लगा दी। रेवंत रेड्डी ने राजनीति की शुरूआत छात्र जीवन में ही कर दी थी। उन्होंने भाजपा के छात्र विंग अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जरिये राजनीति में एंट्री मारी थी। ग्रेजुएशन के बाद वह चन्द्रबाबू नायडू की तेलगूदेशम पार्टी में शामिल हो गए थे। 2009 में उन्होंने अविभाजित आंध्र प्रदेश की कोडांगल सीट से विधानसभा का चुनाव जीता था। तेलंगाना के अलग राज्य बनने के बाद वर्ष 2014 में वह टीडीपी की टिकट पर फिर विधायक बने। 2015 में नोट के बदले वोट मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उस समय उन्हें चन्द्रबाबू नायडू का एजैंट बताया गया था। विधान परिषद चुनाव में एक विधायक को टीडीपी के पक्ष में मतदान करने के लिए रिश्वत देने की कोशिश करते हुए वह कैमरे में कैद हो गए थे तब उन्हें हैदराबाद की जेल में भेज दिया गया था। 2017 में रेवंत कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस में उनकी शुरूआत अच्छी नहीं रही। क्योंकि 2018 के तेलंगाना विधानसभा चुनावों में वह टीआरएस के उम्मीदवार से हार गए थे। विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस ने उन्हें 2019 के लोकसभा चुनाव में मल्कानगिरि से टिकट दिया, जिसमें वह सिर्फ दस हजार वोटों से ही जीते थे। वर्ष 2021 में उन्हें कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष बना दिया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद महज दो साल में वह कांग्रेस के पोस्टर ब्वाय बन गए। तेलंगाना में कांग्रेस भले ही जीत गई है लेकिन इस जीत के पीछे के. चन्द्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भ्रष्ट और परिवारवादी सरकार के प्रति जनता का विद्रोह माना जाना चाहिए। जनता का विद्रोह वैसा ही रहा जैसे 2011 में पश्चिम बंगाल की जनता ने वामपंथी सरकार के खिलाफ किया था तब तृणमूल कांग्रेस की ममता बैनर्जी ने वर्षों से चले आ रहे वामपंथी शासन को उखाड़ फैंका था। के. चन्द्रशेखर राव भी पहले कांग्रेस में ही थे। इसमें कोई संदेह नहीं कि के. चन्द्रशेखर राव ने राज्य सरकार को अपने परिवार की दुकान बना दिया था और भ्रष्टाचार और घोटालों का बोलबाला हो गया था। राज्य की जनता सामंती सरकार से मुक्ति चाहती थी। जिसका सीधा लाभ कांग्रेस को घ्मिला। तेलंगाना में कांग्रेसी नेता जीत केघ् लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा और रेवंत रेड्डी की भूमिका को श्रेय देने में लगे हैं लेकिन चुनाव विशेषज्ञों का कहना है कि तेलंगाना की जीत कांग्रेस की विजय नहीं है बल्कि यह बीआरएस की पराजय है। तेलंगाना में भाजपा का प्रभाव नहीं है इसलिए जब लोगों ने बीआरएस के खिलाफ वोट देने का फैसला किया तो उन्हें लगा कि वो कहां जाएं। उनके सामने केवल कांग्रेस हीघ् विकल्प था। जब तेलंगाना का निर्माण हुआ था तब उसके पास 7000 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व था। आज यह अतिरिक्त राजस्व 7 लाख करोड़ के घाटे में बदल चुका है। तेलंगाना राज्य के लिए आंदोलन के तीन मुख्य कारण थे, नौकरियां, पानी और आर्थिक स्थायित्व। केसीआर सरकार युवाओं को नौकरियां देने में नाकाम रही। केसीआर ने अपने बेटे केटीआर, बेटी कविता और रिश्तेदार हरीश राव और संतोष राव को लेकर सत्ता का केन्द्रीयकरण कर दिया था। यही कारण रहा कि जनकल्याण की अनेक योजनाओं का उन्हें कोई लाभ नहीं मिला। हालांकि केसीआर ने समाज के कई वर्गों के लिए रायथू बंधु और दलित बंधु जैसी कई स्कीमें चलाई लेकिन जरूरतमंद लोगों को इनका फायदा मिल ही नहीं पाया। किसान, युवा और आदिवासी सरकार से नाराज थे। अब रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली नई कांग्रेस सरकार के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। नई सरकार को युवाओं, किसानों और समाज के विभिन्न वर्गों को प्राथमिकता देनी होगी। अगले वर्ष लोकसभा चुनाव होने हैं। इसलिए नई कांग्रेस सरकार को जनता की आकांक्षाएं पूरा करने के लिए बहुत तेजी से काम करना होगा। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसने तेलंगाना में सरकार बनाई तो वो हर बेरोजगार युवा को चार हजार रुपये प्रति माह, महिलाओं को ढाई हजार रुपये प्रति माह, बुजुर्गों के लिए चार हजार रुपये प्रति माह पेंशन, किसानों को 15 हजार रुपये सालाना देगी। रेवंत रेड्डी का तेलंगाना की जनता को कांग्रेस की ओर से दी गई गारंटियों को लेकर कहा था, ‘वैलफेयर मॉडल और डवेलपमेंट मॉडल कांग्रेस सरकार की दो आंखें रही हैं, काबिल लोगों को अवसर देना हमारी नीति है, जो लोग दूसरों पर निर्भर हैं उनको सहारा देना भी सरकार की जिम्मेदारी है।’रेवंत रेड्डी सरकार अब दी गई गारंटियों को किस तरह से पूरा करेगी और राज्य को घ्किस तरह से आर्थिक रूप से मजबूत करेगी, यह सबसे बड़ी चुनौती है। नई कांग्रेस सरकार किस तरह से भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चलाती है यह भी एक बड़ी अग्नि परीक्षा है। रेवंत रेड्डी कांग्रेस में जूनियर नेता हैं। हालांकि वरिष्ठ नेता उनको मुख्यमंत्री बनाने का विरोध कर चुके हैं। देखना होगा कि रेवंत रेड्डी पार्टी नेताओं को कितना साथ लेकर चलते हैं।

-आदित्य नारायण चोपड़ा

आज का राशि फल

मेषः- कोई छोटी बात भी परिवार के तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता नये उत्साह का संचार करेगी। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे।

बृषभः- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व बुद्धिजीवियो से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राएं करनी होंगी।

मिथुनः- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओ की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

कर्कः- भविष्य के प्रति मन में चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का ठीक डंग से निर्वहन् करें। वर्तमान कार्य से मन में असन्तुष्टि उत्पन्न होगी। आलस्य का त्याग करें।

सिंहः- पारिवारिक दायित्वों की चिंता उत्पन्न होगी। स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति ध्यान देवें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- छोटी-छोटी पारिवारिक बातों को बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन सगे-संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाएं याद आएंगी।

तुलाः- वक्त के साथ समझौता कर चलने की चेष्ठा करें। अपने कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझे और अपने को उसी दिशा की ओर केंद्रित करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

वृश्चिकः- जीवन में सही लक्ष्य व सुदृढ़ता को सुनिश्चित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंधी से बिशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार हैं।

धनुः- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकरः- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिला-जुला संजोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। घर में खुशहाल स्थिति प्रसन्न रखेगी।

कुंभः- शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।

मीनः- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्टि पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा।

आसमान में सूराख कैसे करेगी कांग्रेस

कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है। छह दिसंबर 1992 का दिन था, जब ऐतिहासिक बाबरी मस्जिद को तोड़कर, भाजपा की सत्ता की नींव देश में मजबूती से रख दी गई थी। अब उस जगह पर भव्य राम मंदिर बन कर लगभग तैयार है, जिसका उद्घाटन कर अगले कई दशकों तक भाजपा अपनी सत्ता को पक्का बना लेना चाहती है। 1956 के बाद 1992 को बाबा अंबेडकर की दोबारा मौत हुई थी। एक बार स्वाभाविक मृत्यु आने के बाद, दूसरी बार बाबा साहब के सपनों को कुचलकर मौत देने से उन्हें कितनी तकलीफहुई होगी, यह बताने के लिए वे भौतिक तौर पर उपस्थित नहीं हैं। लेकिन आसपास नजर उठाकर देख लीजिए, गैरबराबरी के शिकार लोगों की तकलीफें उसी पीड़ा को अभिव्यक्त करेंगी, जो डॉ.अंबेडकर और पूरी संविधान सभा के लोगों को हुई होगी। छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद प्रत्यक्ष तौर पर तोड़ी गई थी, मगर उसके साथ-साथ संविधान को भी तहस-नहस किया गया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, भाजपा और यहां तक कि कांग्रेस में भी बहुत से लोग होंगे, जो इस दिन को भारत के लिए गौरवशाली मानते होंगे, मगर आने वाली पीढ़ियां शायद इस बात को समझेंगी कि संवैधानिक मूल्यों को सहेज कर न रख पाने की कितनी बड़ी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है। अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म हुए हैं और इसके बाद आम चुनाव की चर्चा तेज हो गई है। पांच में से तीन राज्यों में जीत कर भाजपा अब हैट्रिक की बात करने लगी है। ये हैट्रिक तीन राज्यों की जीत की नहीं, बल्कि सत्ता में लगातार तीसरी बार आने के लिए कही जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो इस बार लालकिले से ही ऐलान कर दिया था कि मैं ही अगली बार भी झंडा फहराने आऊंगा। तब विधानसभा चुनाव होने वाले थे और उससे पहले कर्नाटक में भाजपा मात खा चुकी थी, फिर भी श्री मोदी इस तरह के दावे कर रहे थे और अब तो तीन जीतों के साथ यह दावा और पुख्ता हो गया है। हालांकि ये बात तब भी लोकतंत्र के खिलाफ थी और अब भी है कि बिना चुनाव हुए ही, किसी की जीत या सत्ता वापसी की मुनादी कर दी जाए। दरअसल अब चुनाव में प्रचार और रणनीतियां जमीनी तौर पर कम और दिमागी तौर पर अधिक असर करने वाली बनाई जाने लगी हैं। यह हिटलर के सहयोगी गोएबल्स का तरीका है कि किसी झूठ को सौ बार दोहराओ तो वो सच लगने लगता है। इस समय देश में भी झूठ और सच सब आपस में गड्ड-मड्ड हो गए हैं। फिलहाल सच यही है कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस का शोर होने के बावजूद भाजपा जीत गई है। बताया जा रहा है कि इस जीत पर अंदरखाने भाजपा के लोगों को भी यकीन नहीं हो रहा है। मध्यप्रदेश में पिछली बार भी कांग्रेस की जीत हुई थी और उसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के कारण सत्ता हाथ से निकल गई थी।कांग्रेस को उम्मीद थी कि इस सत्ता चोरी का जवाब जनता उसके हक में देगी। खुद श्री सिंधिया के साथ गए कई पूर्व कांग्रेसियों ने घरवापसी कर ली थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम लेने से बचते रहे। जब उम्मीदवार खड़े करने की बारी आई तो भाजपा ने सात सांसदों को मैदान में उतारा। इस बीच आदिवासी पेशाब कांड, महाकाल में मूर्तियों का गिरना, तरह-तरह के घोटाले और धांधलियों के कारण भाजपा की छवि खराब हुई। इन सबसे यही समझ आ रहा था कि जीत कांग्रेस को ही मिलने वाली है। लेकिन कांग्रेस की यह उम्मीद झूठी साबित हुई। या तो कांग्रेस अतिआत्मविश्वास और कमलनाथ पर यकीन करने का शिकार हो गई, या फिर जैसा आरोप लगाया जा रहा है ईवीएम की गड़बड़ी के कारण उसे हार मिली। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ईवीएम में धांधलियों की शिकायत कर रहे हैं। लेकिन एक सच ये भी है कि मध्यप्रदेश में नरोत्तम मिश्रा जैसे नेता भी हार गए हैं। तो क्या ईवीएम की गड़बड़ी भी सोच-समझकर की गई है। ईवीएम को लेकर शिकायतें एक साल की बात नहीं है, हर साल, हर चुनाव में ईवीएम पर कई सवाल उठते हैं। चुनाव आयोग इस पर अडिग है कि ईवीएम में छेड़छाड़ नहीं हो सकती। भाजपा भी ईवीएम को लेकर सकारात्मक है, लेकिन कांग्रेस को शिकायत है और उसे लोकतंत्र पर ईवीएम से खतरा दिखाई दे रहा है तो फिर इस पर केवल रोना रोने से बात नहीं बनेगी। कांग्रेस को जमीन पर उतरकर बड़ा आंदोलन करना चाहिए। और इसका भी जिम्मा राहुल गांधी पर न छोड़कर उन नेताओं को सामने आना चाहिए, जिन्होंने सालों-साल कांग्रेस की सत्ता का सुख भोगा है। अन्ना हजारे से और कोई सबक कांग्रेस ने भले न लिया हो, शहीद होने की मुनादी करते हुए आंदोलन खड़ा करने का सबक तो ले ही लेना चाहिए। अन्ना तो गांधी के नाम को भाजपा के हक में इस्तेमाल कर गए और कांग्रेसी हाथ मलते रह गए। ईवीएम की जगह मतपत्रों से चुनाव करवाने की मुहिम छेड़ते हुए अगर अभी से आमरण अनशन पर बड़े कांग्रेस नेता बैठ जाएं, तो क्या इसका असर देश भर में नहीं जाएगा। राहुल गांधी ने तो 4 हजार किमी कदमों से नाप लिए, क्या दूसरे कांग्रेस नेता आमरण अनशन करने का कष्ट नहीं उठा सकते। अगर केवल समय बिताने के लिए शिकायतें करनी हैं, तब तो कोई बात नहीं। लेकिन अगर वाकई सूरत बदलनी है, आसमान में सूराख करना है तो पत्थर तबियत से उछालना ही होगा। मध्यप्रदेश में भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने के साथ छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी सरकार बनाने में कामयाब हो गई। क्योंकि इन दोनों राज्यों में भी भाजपा को बहुत हल्के तरह से कांग्रेस लेती रही। दिल बहलाने को अब आंकड़े पेश किए जा रहे हैं कि कांग्रेस को मिजोरम छोड़ बाकी चारों राज्य मिलाकर 4,90,77,907 और भाजपा को 4,81,33,463 वोट मिले।लेकिन जब खेल सीटों की गिनती का है, तो वहां वोटों की गिनती करने से क्या फायदा। कई बार बुद्धिमान विद्यार्थी सब कुछ जानते हुए भी सही तरह से पांच सवाल हल नहीं करता है और वहीं सामान्य बुद्धि लगाकर कोई औसत छात्र उन्हीं पांच महत्वपूर्ण सवालों पर पूरा ध्यान देकर सही जवाब लिखता है और प्रथम आ जाता है। अब आप शिकायत करते रहिए कि ये उससे होशियार है, लेकिन जहां अंकों की लड़ाई है, वहां अंक ही ज्यादा लाने होंगे, बुद्धि दिखाने से कुछ नहीं होगा। तो मौजूदा राजनीति का एक कड़वा सच यही है कि कांग्रेस अपने गौरवशाली इतिहास, गांधी, नेहरू की विरासत, राहुल गांधी की मेहनत, उनकी जनपक्षधरता सबका लाभ होने के बावजूद जनता की नब्ज पकड़ने वाले मुद्दों को नहीं समझ पाती और भाजपा उन्हीं मुद्दों के आधार पर चुनाव में अधिक सीटें ले आती है। अपनी बुद्धि के कारण प्रथम आने का मौका छात्र ने गंवा दिया और अब भी सही सवाल पर फोकस नहीं कर पा रही है। कांग्रेस को अगर वाकई देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझाना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या खोया है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का मखौल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को ये भी साबित करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है। राहुल गांधी जिस सामाजिक न्याय की बात करते रहे हैं, उसे कांग्रेस के सभी लोगों को एक साथ पूरे देश में प्रचारित-प्रसारित करने की जरूरत है। राहुल गांधी जिस अहंकार को छोड़ने की सलाह श्री मोदी को देते आए हैं, उस सलाह पर कांग्रेस के भी कई नेताओं को अमल करने की जरूरत है। भाजपा तीसरी बार भी सत्ता में आने का दावा करके मतदान से पहले ही जनता को संदेश दे रही है कि उसका वोट मिले न मिले, सरकार भाजपा की ही बनेगी। ये मामूली चुनौती नहीं है। कांग्रेस केवल शिकायतों के आधार पर इसका मुकाबला नहीं कर पाएगी। पिछले 10 सालों में कांग्रेस ने देख लिया है कि संवैधानिक संस्थाएं, मीडिया और काफी हद तक न्यायतंत्र भी भाजपा के पक्ष में ही झुका हुआ है। तो इस बड़ी चुनौती के लिए जवाब भी बड़ा ही तैयार करना होगा। तीन राज्यों की हार पर मंथन के साथ कांग्रेस यह भी सोचे कि किन वजहों से उसे कर्नाटक और अभी तेलंगाना में जीत मिली। कांग्रेस सोचे कि क्या उन्हीं तरीकों को देशव्यापी तौर पर आजमाया जा सकता है। क्योंकि अब सवाल उसकी जीत का नहीं, लोकतंत्र और संविधान बचाने का भी है।-**सर्वमित्रा सुरजन**

सांस्कृतिक महोत्सवः तहसील, जनपद, मण्डलीय मुख्यालय पर होंगी विभिन्न विधाओं में प्रतियोगितायेः जयवीर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सभी अंचलों से कालाकारों की पहचान कर उनकी योग्यता के अनुरूप मंच प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित एवं समृद्ध करने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा 'उत्तर प्रदेश पर्व-हमारी संस्कृति, हमारी पहचान के अन्तर्गत संस्कृति उत्सव-2023' का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए विस्तार से समय सारिणी एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन तथा धर्मार्थ कार्य मुकेश कुमार मेश्राम की ओर से 24 नवम्बर को जारी करा दिया गया है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि हमारीसंस्कृति, हमारी पहचान सांस्कृतिक महोत्सव-2023 का आयोजन 25 दिसम्बर से 15 जनवरी तक किया जायेगा। इसका समापन समारोह उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को लखनऊ में किया जायेगा। इस आयोजन में विजेता प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर पुरस्कृत किया जायेगा।पर्यटन मंत्री ने बताया कि संस्कृति उत्सव की विस्तृत तैयारी, प्रभावी पर्यवेक्षण एवं निर्वाध संचालन हेतु वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशेषज्ञों के नेतृत्व में प्लानिंग, समन्वय, आयोजन, वित्त, पंजीकरण एवं मीडिया कार्यक्रम स्थल का निर्धारण कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था, एवार्ड व सर्टिफिक्रेट तथा जनसहभागिता हेतु विभिन्न समितियों का गठन कर उनके दायित्वों का निर्धारण करने के लिए समस्त जिलाधिकारियों एवं मण्डलायुक्तों को आवश्यक दिशा-निदेश दिए गये हैं। कलाकारों के रजिस्ट्रेशन के लिए एक विशेष पोर्टल तैयार कराया जायेगा, जिसमें रजिस्ट्रेशन के दौरान ही सभी डाटा फीड कराये जायेंगे। पोर्टल तक पहुँच न रखने वाले अथवा विलम्ब से आने वाले इच्छुक व्यक्तियों हेतु ऑफ्लाइन ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन का विकल्प भी रखा गया है। संस्कृति उत्सव के बारे में कहा कि 25-30 दिसम्बर को तहसील मुख्यालय पर गाँव, पंचायत, ब्लॉक एवं तहसील स्तर के कलाकारों की प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। 01 से 05 जनवरी तक जनपद मुख्यालय पर तहसील स्तर के चयनित कलाकारों की प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। 10 से 15 जनवरी तक मण्डलीय मुख्यालय पर जनपद स्तर के चयनित कलाकारों की प्रतियोगिता होगी।पर्यटन मंत्री ने बताया कि लोक गायन के अंतर्गत कजरी, चौती, झूला, बिरहा, अल्हा, निर्गुण, लोकगीत, कव्वाली आदि शामिल हैं। इसके अलावा सुगम संगीत के अंतर्गत गीत, गजल, भजन, देशभक्ति एवं अन्य की प्रतियोगिताएं होंगी। उन्होंने बताया कि वादन के अंतर्गत स्वर वाद्य, सुषिर वाद्य, बांसुरी, शहनाई, हारमोनियम, तन्तु वाद्य, सितार, वायलिन, गिटार, सारंगी, वीणा वादन, आदि को शामिल किया गया है। ताल वाद्य के अंतर्गत तबला, पखावज, दक्षिण भारतीय मृदंगम्, घटम आदि की प्रतियोगिता होगी। जनजाति वाद्य यंत्र, लोक वाद्य के अंतर्गत डफ्ला, नगाड़ा, दुक्कड़, मादल, शहनाई, ढोल, ताशा, ढोलक, नॉल, चिमटा, हुड़का, सिंघा आदि शामिल हैं। नृत्य विधा के अंतर्गत कत्थक, भरतनाट्यम, ओडिशी, मोहनीअट्म तथा सांस्कृतिक नृत्य तथा लोक नृत्य विधा के अंतर्गत धोबिया, अहिरवा, करमा, शैला, डोंमकच, आखेट नृत्य तथा अन्य जातीय नृत्य। इसके अलावा लोक नाट्य के अंतर्गत नौटंकी, रामलीला, रासलीला, स्वांग, भगत, बहुरूपिया तथा नुक्कड़ नाटक विधा की प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतिभागियों को उत्तर प्रदेश का निवासी होना चाहिए, जिसके लिए आधार कार्ड अनिवार्य होगा। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए संबंधित जनपद का निवासी अपने ही जनपद के क्षेत्र के अंतर्गत चयनित स्थलों पर प्रतिभाग कर सकता है। प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। यह पंजीकरण संस्कृति विभाग द्वारा निर्धारित पोर्टल पर किया जायेगा। ये प्रतिभागी एक ही विधा में प्रतिभाग कर सकता है। प्रतिभागी कलाकार दल नायक के रूप में अपने सभी सहयोगी कलाकारों का सम्पूर्ण विवरण आधार कार्ड, मोबाइल नं0, पासपोर्ट साइज की दो फोटो अलग से देने होंगे।पर्यटन मंत्री ने बताया कि प्रदेश की सांस्कृतिक परम्परा प्राचीन काल से ही धर्म, दर्शन, कला, साहित्य एवं संगीत के क्षेत्र में पूरी दुनिया में अग्रणी रही है।

चटोरी गली में प्रति दुकान 40 रुपए की अवैध वसूली

लखनऊ। चटोरी गली में प्रति दुकान 40 रुपए की अवैध वसूली हो रही है। करीब 120 से ज्यादा दुकानों से मनोज सिंह, दीपू यादव व संजय कुमार नाम के बाहरी व्यक्तियों द्वारा अवैध वसूली की जा रही है। प्रतिदिन करीब 5000 रुपए की अवैध वसूली करने वाले यह लोग महीने के करीब 1.50 लाख रुपए यहां से वसूल रहे है। बड़ी बात यह है कि यह दुकानदार एलडीए को भी महीना देते है। एलडीए और नगर निगम की तरफसे उनको जगह आवंटित है। उसके लिए शासन की तरफ से तय की गई राशि भी दूकानदार देते हैं। बावजूद उसके कुछ लोगों ने अवैध वसूली का खेल जारी है। मामले की शिकायत एलडीए तक पहुंची है। वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी ने इसको लेकर जांच के आदेश भी दिए है। उन्होंने संबंधित लोगों के खिलाफमुकदमा दर्ज कराने को कहा है। बताया जा रहा है कि मौके पर दुकान लगाने वाले अगर पैसा देने से मना करते है तो उनके साथ मारपीट की जाती है। यहां तक की स्टॉल हटवाने की धमकी दी जाती है। वीसी ने पूरे मामले में कैंप लगा रजिस्ट्रेशन कराने का निर्देश दिया है। इसमें रजिस्ट्रेशन-दुकानों नम्बरिंग होगी। वीसी ने कहा कि मौके पर ही कैम्प लगाकर स्ट्रीट वेन्डर्स का रजिस्ट्रेशन कराया जाए तथा दुकानों की नम्बरिंग कराकर व्यवस्था को सुचारू किया जाए। बताया कि 1090 चौराहा स्थित चटोरी गली में पहले अव्यवस्थित तरीके से दुकानें लगवाई जाती थीं, जिससे पार्किंग आदि की समस्या उत्पन्न होती थी।

दुष्कर्मी को 20 साल की जेल,कोर्ट ने 40 हजार का लगाया जुर्माना

प्रयाग दर्पण संवाददाता

उरई/जालौन। जालौन में 6 साल पहले किशोरी को घर से ले जाकर बंधक बनाकर रेप करने वाले एक युवक को न्यायालय ने साक्ष्य और गवाहों के आधार पर दोषी मानते हुए 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही न्यायालय ने 40 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। सजा सुनाई जाने के बाद दोषी को पुलिस ने हिरासत में लेकर उरई जिला कारागार भेज दिया। इस मामले की पैरवी करने वाले शासकीय अधिवक्ता ब्रजराज राजपूत ने बताया कि मामला कदौरा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। जहां 4 जनवरी 2018 को चतेला ग्राम का रहने वाला मंगल सिंह पुत्र सुरेश परिचित के व्यक्ति के गांव में जाकर उसके घर से एक 15 वर्षीय किशोरी को यह कहकर अपने घर लेकर आ गया कि उसकी मां ने घर पर बुलाया है। जहां मंगल सिंह किशोरी को अपने घर पर 6 दिन तक बंधक बनाकर रेप की वारदात को अंजाम देता रहा। 6 दिन तक लड़की के घर वापस न आने पर किशोरी का पिता मंगल सिंह के गांव अपनी बेटी को लाने पहुंचा, जहां पता चला कि मंगल सिंह ने उसे बंधक बनाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। जिसके बाद उसे मंगल सिंह की कैद से छुड़ाकर पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किशोरी को मेडिकल परीक्षण कराने के बाद बयान दर्ज करते हुए उसके पिता की शिकायत पर मामला पंजीकृत करते हुए मंगल सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने न्यायालय स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट (मयरेप) में मंगल सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए। लगभग साढ़े 5 साल तक चली सुनवाई के बाद न्यायाधीश मोहम्मद कमर ने साक्ष्य और गवाहों के आधार पर मंगल सिंह को दोषी मानते हुए 20 साल की सजा और 40 हजार का अर्थदंड लगाया है। सजा सुनाते ही पुलिस ने दोषी को हिरासत में ले लिया और उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया, मंगल सिंह फ्लिहाल जमानत पर रिहा था।

अकबर नगर में भी चलेगा सरकार का बुलडोजर,1400 से ज्यादा मकानों को नोटिस

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कुकरैल नदी के किनारे बसे 50 घरों पर बुलडोजर चलाने के बाद अब अकबर नगर इलाके में एलडीए अभियान चलाएगा। एलडीए की टीम शुक्रवार को वहां पहुंच सकती है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से यहां सबसे ज्यादा मकान कुकरैल नदी की जमीन पर बने है। इसके अलावा एलडीए, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम ने भी नोटिस जारी किया है। बताया जा रहा है कि यहां एलडीए की टीम शुक्रवार को अभियान चलाने के लिए पुलिस बल के साथ पहुंच सकती है। यहां के लोगों को भी मकान खाली करने का आदेश जारी कर दिया गया है। बड़ी बात यह है कि यहां के अभियान में कई बड़े शोरूम और दुकानें भी टूट सकती है। इससे पहले बुधवार सुबह लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अफ्सर फोर्स के साथ बुलडोजर लेकर पहुंचे। बुलडोजर को देखते ही भिकमपुर बस्ती के लोग जुट गए। सभी रास्ते को घेरकर खड़े हो गए। फिर पुलिस कर्मियों ने लोगों को किसी तरह से हटाया। यहां विरोध हुआ लेकिन भारी पुलिस बल के कारण लोगों को अपना घर खाली करना पड़ा। प्रशासन ने जिन लोगों को नोटिस दी गई है, उसमें से ज्यादातर लोग माइनॉरिटी और दलित क्षेत्र से आते हैं। अकबर नगर वाले इलाके में 80ः आबादी माइनॉरिटी की है, जबकि भिकमपुरा इलाके में व्ठब् और दलितों की संख्या ज्यादा है। एलडीए वीसी ने बताया, कुकरैल रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के लिए कुल 1400 निर्माण को धराशाई किया जाएगा। जिसके लिए हमने ऑर्डर पास कर दिए हैं। करीब 70 लोगों को डूडा ने आवास आवंटित कर दिया है, उन्होंने अपना अलॉटमेंट लेटर भी प्राप्त कर लिया। प्रशासन का कहना है कि कुकरैल नदी के सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। इसलिए अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चल रहा है। हालांकि सौंदर्यीकरण शासन से अभी इसके लिए कितना बजट आए, यह तय नहीं हुआ है। लेकिन, नदी के दोनों किनारों को विकसित कर सौंदर्यीकरण करते हुए इको पर्यटन के हिसाब से डेवलप करने का प्रस्ताव है। इसके सौंदर्यीकरण के लिए रुड़की आईआईटी की टीम को नक्शा और बाकी प्रोजेक्ट तैयार करने का जिम्मा दिया गया है।

ट्रैक्टर ने लोडर में मारी टक्कर,चालक घायल, 550 लीटर दूध बर्बाद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

उरई/जालौन। जालौन में कोंच-उरई मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां दूध लेकर आ रही लोडर में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दूध से भरी लोडर क्षतिग्रस्त होने के बाद लोडर और ट्रैक्टर बीच सड़क पर ही पलट गया। इस घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया, जबकि लोडर में सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना को देख पीछे से आ रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। साथ ही घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में भर्ती कराया, मगर युवक की हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने प्रथम उपचार करने के बाद ग्वालियर के लिए रेफर कर दिया। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। घटना कोंच कोतवाली के उरई-कोंच रोड़ स्थित ग्राम पनयारा के पास की है। बताया गया है कि नदीगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सीकरी बुजुर्ग का रहने वाला जय हिंद (28) पुत्र भारत सिंह तथा कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम गेंदोली का रहने भूपेंद्र (22) पुत्र रामशंकर गांव-गांव जाकर दूध खरीदने का काम करते हैं। बुधवार देर रात को दोनों लोग कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिमिरिया से केनों के माध्यम से दूध भरकर लोडर से ग्राम चकधारी में खुली डेयरी पर जा रहे थे। जब वह कोंच-उरई मार्ग स्थित ग्राम पनयारा से कोंच रोड की तरफ जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार से आ रहे बिजली विभाग के ट्रैक्टर ने सामने से लोडर में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर और लोडर सड़क पर पलट गए, जिसमें लोडर में पीछे दूध की केन के साथ बैठा युवक भूपेंद्र लोडर के नीचे आकर बुरी तरह दब गया और गंभीर रूप से घायल हो गया, साथ ही केन में भरा 550 लीटर दूध सड़क पर फैल गया। वहीं घटना के बाद ट्रैक्टर का चालक मौके से भाग गया।इस घटना के बाद राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने लोडर के नीचे दबे युवक को देख तत्काल बाहर निकाला। सूचना पुलिस को देकर उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में भर्ती कराया। वही लोडर को हाथों से उठवाकर बीच सड़क से हटवाकर किनारे लगवाया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटना में बाद बिजली विभाग के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे, जिन्होंने सड़क किनारे पलटे ट्रैक्टर को छोटी क्रेन से उठाने का प्रयास किया, जहां कड़ी मशक्कत के बाद ट्रैक्टर को हटाया। वहीं घायल हालत में अस्पताल पहुंचे युवक का डॉक्टरों ने प्रथम उपचार करने के बाद नाजुक हालत देखते हुए उसे ग्वालियर के लिए रेफर कर दिया।

गर्डर बिछाने का काम पूरा, जल्द शुरू होगा आवागमन

गोण्डा। पूर्वोत्तर रेलवे ने शहर के मिश्रौलिया ओवरब्रिज पर गर्डर बिछाने का कार्य पूरा कर लिया। रेलवे ने अपने हिस्से के बचे हुए काम को लेकर कई दिनों से ब्लॉक लिया था। शाम को काम पूरा होने पर रेल अधिकारियों व कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। एक सप्ताह के भीतर रेलवे की तरफसे इस पुल पर निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद आवागमन में राहत मिलेगी। बता दें कि उत्तर प्रदेश ब्रिज कॉरपोरेशन एवं पूर्वोत्तर रेलवे के ब्रिज विभाग की ओर से संयुक्त रूप से जिले में कई रेल मार्ग पर ऊपरिगामी पुल बनाए जा रहे हैं। इसमें शहर के महादेवा रेलवे क्रॉसिंग, बहराइच रोड पर मिश्रौलिया रेलवे क्रॉसिंग एवं उतरौला रोड पर स्थित सोनी गुमटी के पास रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है। इसमें से बहराइच रोड पर मिश्रौलिया पुलिस चौकी के पास स्थित स्पेशल समपार फाटक संख्या 262 पर रेलवे विभाग ने अपने परिधि का निर्माण एक दिसंबर से शुरू किया था। बुधवार शाम को 5.30 बजे आठ गर्डर बिछाकर कार्य पूरा कर लिया गया। इसकी निगरानी पूर्वोत्तर रेलवे के डिप्टी चीफ इंजीनियर ब्रिज (निर्माण) आनंद वर्धन एवं अधिशासी अभियंता शिवशरण राम कर रहे थे।

प्रभावशाली बिल्डर के खिलाफ मुकदमा कायम पहुंचा सलाखों के पीछे

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष डॉ इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा शहर में चल रहे अवैध निर्माणों के खिलाफ लगातार कार्यवाई के आदेशों के ब-वजूद भी जे ई,ए ई द्वारा शिथिलता एवं लापरवाई बर्तना इनकी फितरत में जहाँ आम बात है या यूँ कहें कि रच बस चुकी है। वही प्रवर्तन जोन-6 में तैनात अवर अभियंता इम्तियाज अहमद द्वारा वीसी के आदेशों का सम्मान रखते हुए 1997 में हुआ एफ-आई बिल्डर द्वारा अवैध एफ-आई टॉवर निर्माण के विरुद्ध, एफ-आई निदेशक बिल्डर मोहसिन इकबाल पुत्र इकबाल पर अपराध पंजीकृत कर जेल भेजने की कार्रवाई कर शहर में चल रहे अवैध रूप से निर्माण कर्ताओं में हड़कंप मचा दिया है। ज्ञाताव्य है अवर अभियंता इम्तियाज अहमद द्वारा जहाँ एक बड़े बिल्डर पर निष्पक्ष कार्रवाई कर एलडीए विभाग में तैनात अवर अभियंताओं को आईना दिखाया तो दूसरी तरफइम्तियाज अहमद की कार्य शैली से शहर के लोगों का विश्वास जागा। वहीं अवैध निर्माण कर्ताओ द्वारा इम्तियाज के विरुद्ध षणयंत्र रचना भी शुरू हो गए। वहीं लोगों में यह भी विश्वास जागा है कि अब विकास प्राधिकरण से न्याय की उम्मीद की जा सकती है। अवर अभियंता द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई से जहाँ शहर में चल रहे अवैध निर्माण तथा कथित बिल्डरों में हड़ कंप मच गया है। तो वहीं अवैध रूप से निर्माण कर रहे कथित निर्माणकर्ताओं ने अवर अभियंता के खिलाफ षणयंत्र करना एवं प्रचार करना शुरू कर दिया है और दावा कर रहे हैं कि जल्दी अवर अभियंता को प्रवर्तन जोन-6 से रवाना कर दिया जाएगा। कथित निर्माणकर्ता सत्ता के दम पर अवर अभियंता को चलता करने पर लग गए हैं। मालूम हो कि एलडीए प्रवर्तन जोन-6 में तैनात अवर अभियंता इम्तियाज अहमद ने चर्चित एफ-आई बिल्डर पर कार्रवाई कर मुकदमा पंजीकृत कराया है।आरोप है कि बिल्डर ने नियमों को धता बताते हुए कानून को किनारे कर बहुमंजिला इमारत का निर्माण करवाया। शिकायत मिलने के बाद एलडीए ने मामले को संज्ञान में लिया और जांच के बाद कैसरबाग कोतवाली में बिल्डरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। अवर अभियंता इम्तियाज अहमद ने पत्रकारों को बताया कि 18 फरवरी 1997 में एफ-आई बिल्डर निदेशक मोहसिन इकबाल,भाई सिराज और सहयोगी माइकल पाँल को कैसरबाग इलाके में 23 हजार वर्ग मीटर जमीन पर अपार्टमेंट बनाने की स्वीकृति दी गई थी। उन्होंने बताया कि एफ-आई बिल्डर को 6 मंजिला इमारत में 72 फ्लैट बनाने थे। लेकिन जब निर्माण कार्य हुआ तो नियमों की अनदेखी कर आठ मंजिला इमारत खड़ी कर दी गई, टैरिस पर पेंटाहाउस भी बना दिया। इसके साथ ही नियमानुसार छोड़े जाने वाले सैटबैक पर आंशिक निर्माण करा लिया। जबकि इसकी स्वीकृति लखनऊ विकास प्राधिकरण ने नहीं दी थी। कैसरबाग प्रभारी निरीक्षक सुधाकर सिंह ने बताया कि एलडीए के अवर अभियंता की तहरीर पर बिल्डरों पर धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार कर इस्तेमाल करने एवं साजिश रचने की धारा में एफआईआर दर्ज हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि एलडीए विभागीय स्तर पर की गई जांच से संबंधित दस्तावेज पुलिस को उपलब्ध करा दिए गए हैं। इसके बाद कैसरबाग पुलिस ने मोहसिन इकबाल को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई कर दी है। एलडीए की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे में बताया गया,कि जब विकास प्राधिकरण को अवैध निर्माण कार्य व मानकों को ताख पर रख कर बनाई गई इमारत की जानकारी मिली तो एफ-आई बिल्डर को नोटिस जारी की गई, लेकिन बिल्डर ने नोटिस का कोई जबाव नहीं दिया।

जिले के आखिरी छोर तक पहुंचाए योजना का लाभः डीएम

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बहराइच। ग्रामीणों तक जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के लिए विभिन्न विकासखंडों में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डीएम समेत कई अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान एलईडी वैन के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। वहीं योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र दिए गए। कैसरगंज के प्राथमिक विद्यालय कुंडासर मे आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में डीएम मोनिका रानी मौजूद रहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास प्रमाणपत्र, आयुष्मान कार्ड व शौचालय प्रमाणपत्र का वितरण किया। डीएम ने सभी अधिकारियों को जिले के आखिरी छोर तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख संदीप सिंह विसेन, एसडीएम पंकज दीक्षित व बीडीओ अमन वर्मा आदि मौजूद रहे। नवाबगंज विकासखंड के ग्राम पंचायत कलवारी व बनकुरी में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पांडेय रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडीओ आईएसबी नवाबगंज इंदल प्रसाद ने की। कार्यक्रम में एलसीडी के माध्यम से जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान कार्ड व शौचालय आदि योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र दिए गए।

होमगार्ड जवानों के साथ भोजन कर होमगार्ड्स मंत्री ने दिया पुरस्कार

लखनऊ। होमगार्ड्स संगठन की स्थापना के 61 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में होमगार्ड्स एवं कारागार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने आला अधिकारियों एवं होमगार्ड जवानों के साथ मिलकर होमगार्ड मुख्यालय स्थित मैदान परिसर में सामूहिक भोज में हिस्सा लेकर भोजन किया। जिसके उपरान्त मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने पुरस्कार वितरण समारोह एवं उनको सम्मानित किया। डीआईजी विवेक कुमार सिंह ने बताया कि प्रतिवर्ष स्थापना दिवस के अगले दिन बड़ा खाना का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे होमगार्ड जवान एक से डेढ़ माह तक लगकर विभिन्न कार्य जैसे-साफ-सफाई, रंगाई-पुताई के साथ-साथ परेड की भी तैयारी करते हैं। उनके उत्साहवर्द्धन एवं मनोबल को ऊंचा बनाये रखने के लिए सभी वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ बैठकर खाना खाते हैं।

रामलला की पहली आरती को राजस्थान से 650 किलो घी आया,5 बैलगाड़ी ने 10 दिनों में 1200 किलो की दूरी तय की

अयोध्या। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। रामलला की पहली आरती के लिए राजस्थान से 6.5 क्विंटल यानी 650 किलो घी अयोध्या लाया गया। खास बात ये है कि घी ट्रेन, बस या कार में नहीं, बल्कि रथ (बैलगाड़ी) से लाया गया है। 5 रथ 27 नवंबर को घी लेकर जोधपुर से अयोध्या के लिए निकले थे। 10 दिन में 1200 किलोमीटर की दूरी तय करके गुरुवार सुबह अयोध्या के कारसेवकपुरम पहुंचे। यहां राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्र को घी सौंपा गया। रथ के साथ ही 108 छोटे शिवलिंग भी लाए गए हैं। इसके अलावा, गुरुवार को थाइलैंड से मिट्टी और कंबोडिया से हल्दी भी अयोध्या लाई गई। इस दौरान चंपत राय ने कहा-महाराणा प्रताप के क्षेत्र से भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा की आरती के लिए घी आया है। जिन गो माताओं के दूध से ये घी बना है। उन सभी को साल 2017 में जोधपुर में काटने से बचाया गया था। उन सबको बकायदा 9 महीने तक रामचरितमानस का पाठ सुनाया गया। इसके बाद उनके दूध से घी बनाकर अयोध्या लाया गया।20 साल पहले लिया था शुद्ध देसी गाय का घी भेजने का संकल्प 650 किलो घी जोधपुर के बनाड़ स्थित श्रीश्री महर्षि संदीपनी राम धर्म गोशाला में बनाया गया है। इसका संचालन महर्षि संदीपनी महाराज की ओर से किया जाता है। जोधपुर में महर्षि संदीपनी महाराज ने दैनिक भास्कर को बताया कि उन्होंने 20 साल पहले संकल्प लिया था कि अयोध्या में जब भी राम मंदिर बनेगा, उसके लिए शुद्ध देसी गाय का घी वो लेकर जाएंगे। इसी बीच, साल 2014 में उन्होंने गायों से भरे एक ट्रक को रुकवाया, जो जोधपुर से गोकशी के लिए ले जाया जा रहा था। ट्रक में करीब 60 गायें थीं। महाराज ने इन गायों को छुड़वाया और आस-पास की गोशाला में ले गए। सभी ने इन गायों को रखने से मना कर दिया। अंत में उन्होंने निर्णय लिया कि वे खुद गोशाला शुरू करेंगे और इन गायों को पालेंगे।

यूपी में छह आईएएस अफसरों का तबादला, विजय किरन को कुंभ मेला की जिम्मेदारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। लंबे समय से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को संभाल रहे महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद को प्रदेश सरकार ने स्थानांतरित कर कुंभ मेला अधिकारी प्रयागराज के पद पर भेज दिया है। उनके स्थान पर महानिरीक्षक निबंध उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी संभाल रही 2005 बैच की आईएएस अधिकारी कंचन वर्मा को प्रदेश का नया महानिदेशक स्कूल शिक्षा नियुक्त किया गया है। विजय किरण आनंद को बेसिक शिक्षा विभाग में तैनाती के दौरान उन पर आदेशों को लेकर कई बार शिक्षकों की नाराजगी का भी सामना करना पड़ा है। मौजूदा समय में प्रदेश में चल रही 69000 शिक्षक भर्ती प्रक्रिया के विवाद के गहराने और उसे सही से ना संभालने पर भी उन पर लगातार दबाव था।बीते साल हुए शिक्षकों के ट्रांसफर और प्रमोशन सहित कई ऐसे मामले थे जब महानिदेशक की कर प्रणाली पर शिक्षकों द्वारा सवाल उठाया जा चुका है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा की जिम्मेदारी संभालने के बाद विजय के आनंद ने बीते 31 जनवरी को एक आदेश जारी किया था। इस आदेश में उन्होंने बेसिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के तहत संचालित विद्यालयों में कार्य शिक्षकों एवं शिक्षा पर कर्मचारियों के निलंबन के बाद बहाली तथा विद्यालय आवंटन ऑनलाइन करने का आदेश दिया था।आदेश के बावजूद भी इसका पालन नही हो पाया था जिसको लेकर पूरे प्रदेश में काफी बवाल हुआ था। वहीं मौजूदा समय में शिक्षकों के ऑनलाइन उपस्थिति को भी लेकर विवाद चल रहा है।शिक्षकों ने ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में कारवाई होने पर विभाग को मोर्चा खोलने तक की चेतावनी दे रखी है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि विजय किरन आनंद के महानिदेशक पद की हटाने से सरकार और शिक्षकों के बीच में बढ़ रहे तनाव को काम किया जा सकेगा।विजय आनंद की गिनती 2009 बैच के प्रदेश के तेज तर्रार आईएएस अफ्सर में होती है। वह मूल रूप से बेंगलुरु के रहने वाले हैं। विजय किरन आनंद की पहली पोस्टिंग बागपत जिले में एसडीएम के पद पर हुई थी।इसके बाद वह एसडीओ बाराबंकी बने फिर उन्हें बतौर डीएम शाहजहांपुर और वाराणसी में तैनाती मिली। इसके बाद वह महानिदेशक स्कूल शिक्षा और राज्य परियोजना के पद पर तैनात हुए।यहां से उन्हें स्थानांतरित कर मुख्यमंत्री के गए जनपद गोरखपुर का डीएम बनाया गया था। इसके बाद फिर से उन्हें दोबारा से बेसिक शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी सौंप गई थी।विजय किरन आनंद और कंचन मिश्रा के अलावा बुधवार की देर रात विशेष सचिव माध्यमिक शिक्षा डॉक्टर रुपेश कुमार को आईजी निबंध उत्तर प्रदेश, सुखलाल भारती विशेष सचिव कृषि उत्पादन आयुक्त शाखा को विशेष सचिव माध्यमिक शिक्षा बनाया गया है।अपर खाद्य आयुक्त उत्तर प्रदेश तथा सचिव सतर्कता आयोग अनिल कुमार को प्रभारी आयुक्त एवं निबंधन सहकारी समितियां के पद पर भेजा गया है। अपर आवास आयुक्त आवास विकास परिषद उत्तर प्रदेश डॉक्टर विपिन कुमार मिश्रा को अपर खाद्य आयुक्त उत्तर प्रदेश के साथ सचिव सतर्कता आयोग के पद पर नियुक्ति मिली है।

युवक का क्षत-विक्षत खेत में मिला शव,सड़क पर मिला जूता और खून

बहराइच। जिले में मिहीपुरवा तहसील के बैबाही गांव में युवक का क्षत-विक्षत शव मिला। गले पर कटने के निशान भी हैं। घटना की जानकारी से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एसडीएम और पुलिस टीम मौके पर पहुंची है। फोरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया गया है। युवक की पहचान कराने में जुटी हुई है। मामले में हत्या की आशंका जताई जा रही है। हत्या की आशंका जताई जा रही है। खैरीघाट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैबाही निवासी श्याम कली के खेत में सरसो और गन्ना लगा हुआ है। बृहस्पतिवार को गांव के लोग खेत की तरफ गए। खेत में सभी ने एक युवक का शव देखा। इसकी जानकारी गांव में दी गई। पुलिस को घटना से अवगत कराया गया। खैरीघाट थाने के उप निरीक्षक मुकुट नाथ चौधरी, चौकी इंचार्ज यतींद्र सिंह मौके पर पहुंचे। शव को बाहर निकलवाया गया। आसपास के लोगों से पहचान करवाई गई, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मृतक के गले पर धारदार हथियार से रेतने के निशान भी है। वहीं घटना की जानकारी पर एसडीएम संजय कुमार, राजस्व निरीक्षक कृष्ण कुमार, लेखपाल विजय कुमार के साथ पहुंचे हैं।

जिंदगियों के लिए काल बन सकते हाईवे किनारे खड़े ट्रक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बहराइच। हाईवे पर ट्रकों की लंबी कतार देखने को मिल रही है। यह ट्रक कई स्थानों पर हाईवे के दोनों तरफ खड़े दिखते हैं। इससे हाईवे संकरा नजर आता है। ऐसा तब है जब दिसंबर माह की शुरुआत के साथ ही तराई कोहरे की चादर में लिपटने लगी है। सुबह व रात के समय जिला घने कोहरे के आगोश में रहता है। हाईवे पर खड़े ट्रकों को लेकर जिले के हुक्मरान मौन हैं, जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।जिले से आधा दर्जन हाईवे गुजरे हैं, जिनसे प्रतिदिन 10,000 से अधिक छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। इन दिनों हाईवे किनारे खड़े ट्रक राहगीरों के लिए डर का सबब बने हुए हैं। रात के समय हाईवे से गुजरने वाले राहगीरों की जान हमेशा सांसत में बनी रहती है। उनकी हल्की सी चूक कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। सबसे ज्यादा अव्यवस्था बहराइच-बलरामपुर, बहराइच-भिनगा और बहराइच-लखनऊ हाईवे पर देखने को मिल रही है।बहराइच-भिनगा मार्ग पर पड़ने वाली आधा दर्जन से अधिक मिलों के बाहर दिन से लेकर रात तक दर्जनों ट्रक हाईवे के किनारे खड़े नजर आते हैं। हाईवे संकरा नजर आता है। बहराइच-बलरामपुर मार्ग पर रात के समय यही स्थित ढाबों के किनारे देखने को मिलती है। बहराइच-बलरामपुर मार्ग पर धरसवां के पास स्थित इन ढाबों के बाहर हाईवे के दोनों तरफट्रक खड़े नजर आते हैं, जो हर समय हादसे को दावते देते रहते हैं। ऐसा ही नजारा जिले के प्रमुख राजमार्ग बहराइच-लखनऊ का भी है। जहां बसंतापुर के पास स्थित एफसीआई गोदाम के बाहर मुख्य राजमार्ग पर सैकड़ों ट्रकों की कतार देखने को मिलती है। ऐसा तब है, जब इस मार्ग पर डिवाइडर भी नहीं हैं और राहगीर फर्राटे के साथ गुजरते हैं।

राष्ट्रपति और पीएम आगमन की तैयारियां परखने आएंगे सीएम योगी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक दिवसीय दौरे पर 11 दिसंबर को वाराणसी आएंगी। उनके आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं और प्रशासनिक अमला भी मुस्तैदी में जुटा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू काशी विद्यापीठ का 45वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके अलावा कुछ विद्वानों से मुलाकात करेंगी। कार्यक्रम के उपरांत राष्ट्रपति श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन पूजन और काल भैरव मंदिर में माथा टेक सकती हैं। वे लगभग 1.30 घंटे तक बनारस में रुकना प्रस्तावित है, हालांकि अभी उनका फाइनल प्रोटोकॉल आना बाकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहली बार किसी राज्य विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 10 दिसंबर को वाराणसी आना प्रस्तावित है। सीएम वाराणसी में राष्ट्रपति के

आगमन की तैयारियां परखेंगे। एयरपोर्ट से लेकर शहर तक सुरक्षा के इंतजाम जांचेंगे और कार्यक्रम स्थलों का अवलोकन भी करेंगे। सीएम योगी सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल के अनुरूप समीक्षा भी करेंगे।वाराणसी में प्रधानमंत्री के दो दिवसीय प्रस्तावित 43वें दौरे को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ गहन समीक्षा करेंगे। सीएम योगी जोनल कमिश्नर, डीएम और पुलिस कमिश्नर समेत तमाम अधिकारियों के साथ बिंदुवार तैयारियां परखेंगे। पीएम के कार्यक्रम स्थल और लोकार्पित होने वाली योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे। इसके अलावा सेवापुरी में होने वाली जनसभा के स्थल का अवलोकन करेंगे। उधर, प्रदेश सरकार के मंत्री और वाराणसी से विधायकों, एमएलसी, मेयर, भाजपा के जिलाध्यक्ष, काशी क्षेत्र अध्यक्ष समेत प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। पीएम की जनसभा में भारी भीड़ और इंतजामों के बाबत चर्चा करेंगे। वहीं संगठन में होने वाले फेरबदल और नए पदाधिकारियों से भी संवाद करेंगे ।

अमेठी में सरसों के लिए काल बने आवारा जानवर

अमेठी। किसान कड़ी मेहनत करके फसलों को अपने खेतों में लगाता है लेकिन आवारा जानवर किसानों की मेहनत को चौपट करने में लगे हैं। सैकड़ों आवारा जानवर सरसों की फसल को चट करने में जुटे हैं, लेकिन प्रशासन सिर्फकागजों पर ही कार्रवाई करने में जुटा है।जिले में आवारा जानवरों से हो रहे नुकसान को लेकर सांसद स्मृति ईरानी ने भी 6 महीने पहले अमेठी प्रसाशन को पत्र लिखा था, लेकिन वो भी ठंडे बस्ते के चला गया। अमेठी में आवारा जानवरों से किसानों को छुटकारा नहीं मिल पा रहा है। सैकड़ों की संख्या में झुंड के झुंड आवारा जानवर किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाने में जुटे हैं। अभी सरसों की की फसल की बुवाई चल रही है। कई किसानों के खेतों में सरसों की फसल भी उग आई है, लेकिन अब आवारा जानवर फसल को खाने में जुटे गए हैं। आलम यह है किसान रात दिन ठंड के मौसम में अपने फसलों की रखवाली कर रहा है। आवारा जानवरों से सबसे बड़ी मुसीबत जिला मुख्यालय गौरीगंज से सटे टिकरिया गांव के ग्रामीणों को है, जहां बड़ी संख्या में आवारा जानवर उनकी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

प्रयागराज में प्रकाशकों के घर-दफ्तर से पांच करोड़ रुपये बरामद, देर रात तक चलती रही कार्रवाई

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। आयकर अफसर के मुताबिक इन रुपयों को बैंक में जमा करा लिया गया है। इसके साथ ही उनके घरों से मिले भूमि और भवनों के दस्तावेजों के अलावा निवेश संबंधी कागजों की सघन जांच की जा रही है।आयकर छापा की कार्रवाई के दूसरे दिन बुधवार को दो प्रकाशन समूहों के ठिकानों से पांच करोड़ रुपये से अधिक नकद बरामद किए गए। समसामयिक घटनाचक्र के मालिक के चर्चलेन स्थित कार्यालय और आवास से दो करोड़ रुपये मिले। जबकि शिव पब्लिसिंग हाउस के मालिक और उनके भाई के तेलियरगंज, कटरा, जानसेनगंज स्थित घर, प्रिंटिंग प्रेस के अलावा शोरूम से भी तीन करोड़ रुपये बरामद किए गए हैंपांच-पांच सौ रुपये के नोटों की गड्डियों की मशीनों से गिनती कराई गई। उधर, राजीव प्रकाशन समूह के मालिक के घर, ज्वेलरी शोरूम के अलावा पेपर मिल के दफ्तरों, गोदामों को खंगालने और दस्तावेजों की जांच करने का काम देर रात तक जारी रहा। आयकर अफसरों की 20 से अधिक टीमें दिनभर कारोबारियों के घरों, दफ्तरों और गोदामों का चप्पा-चप्पा खंगालती रहीं। घटनाचक्र के मालिक संतोष चौधरी घर और दफ्तर में रखे दो करोड़ रुपये से अधिक का हिसाब नहीं दे सके। इसे बरामद कर लिया गया।शिव पब्लिसिंग हाउस के मालिक सुभाष चंद्र गुप्ता के घर से 40 लाख रुपये मिले। हिसाब न मिलने के बाद इन रुपयों को भी आयकर विभाग ने जब्त कर लिया। शिव पब्लिसिंग हाउस के मालिक के भाई के ठिकानों से भी नकदी मिली है। आयकर विभाग के एक बड़े अधिकारी ने अब तक की इस कार्रवाई में पांच करोड़ रुपये बरामद किए जाने की पुष्टि की।आयकर अफसर के मुताबिक इन रुपयों को बैंक में जमा करा लिया गया है। इसके साथ ही उनके घरों से मिले भूमि और भवनों के दस्तावेजों के अलावा निवेश संबंधी कागजों की सघन जांच की जा रही है। उधर, राजीव प्रकाशन समूह के ज्वेलरी शोरूमों, पेपर मिल गोदाम और दफ्तरों के अलावा घरों के बाहर देर रात तक पुलिस का पहरा लगा रहा और सर्च की कार्रवाई जारी रही।

संक्षिप्त समाचार

थाना कीडगंज पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज।थाना कीडगंज पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 43/2023 धारा 420/467/468/471 भा0द0वि0 से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त मो0 जाकिर अंसारी उर्फ गुड्डू पुत्र स्व0 जहाँगीर नि0 446/553 खलासी लाइन कीडगंज जनपद प्रयागराज हाल पता काली माई गली खलासी लाइन शरीफ का मकान थाना कीडगंज जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर दिनांक- 06.12.2023 को कोखलासी लाइन काली माई गली के पास थाना क्षेत्र कीडगंज से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-मोहम्मद जाकिर अंसारी उर्फ गुड्डू पुत्र स्व0 जहाँगीर नि0 446/553 खलासी लाइन कीडगंज जनपद प्रयागराज हाल पता काली माई गली खलासी लाइन शरीफ का मकान थाना कीडगंज जनपद प्रयागराज, उम्र 42 वर्ष।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0 43/2023 धारा 420/467/468/471 भा0द0वि0 थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरणः-1. उ0नि0 बलवन्त यादव चौकी प्रभारी नाका थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज 2. का0 हरेराम गुप्ता थाना कीडगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

Operation Conviction के तहत प्रयागराज पुलिस द्वारा अभियुक्त को आजीवन कारावास व 25 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया

मा0 न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो प्रथम इलाहाबाद द्वारा थाना नवाबगंज प्रयागराज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-444/2021 धारा-363/366क/376/506 भा0द0सं0 व 5/6 पॉक्सो एक्ट व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट के अभियुक्त अमर बाबू जायसवाल पुत्र मुन्नीलाल निवासी अलादादपुर थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को आज दिनांक 05.12.2023 को प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप धारा-376 भा0द0सं0 व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट में आजीवन कारावास व 25 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया । दोष सिद्ध अभियुक्त का विवरण-अमर बाबू जायसवाल पुत्र मुन्नीलाल निवासी अलादादपुर थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-444/2021 धारा-363/366क/376/506 भा0द0सं0 व 5/6 पॉक्सो एक्ट व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।पैरवी करने वाली टीम का विवरण-1. मनोज त्रिपाठी, ए0डी0जी0सी0 ।2. हे0का0 राज बहादुर कोर्ट मोहर्रिर ।3. प्र0नि0 कुशलपाल सिंह, थाना प्रभारी नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज । 4.का0 रजनीश कुमार परोकार, थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

भौकाल बनाने के लिए अवैध असलहे के साथ शादी में किया डांस, आरोपी की तलाश में पुलिस

प्रयागराज।थाना संदीपन घाट इलाके में एक युवक का अवैध असलहे के साथ शादी में डांस करने का वीडियो सामने आया है। युवक बेखौफ होकर असलहा लहराते हुए बारात में डांस कर रहा है। वीडियो एक हफ्ते पहले का बताया जा रहा है। युवक ने भौकाल बनाने के लिए असलहे का प्रदर्शन किया। पुलिस वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर जांच में जुटी है।

भगवान टॉकीज पर पुलिस ने हटवाया अतिक्रमण

आगरा। आगरा में गुरु का ताल पर हुए एक्सीडेंट के बाद पुलिस ने मानकों के विरुद्ध सवारी बैठाने वाले ऑटो के खिलाफअभियान चला रखा है। गुरुवार को भगवान टॉकीज चौराहे पर अभियान चलाया गया। चौराहे को अतिक्रमण मुक्त किया गया। आगरा में चार दिन पहले गुरु का ताल कट पर एक ऑटो दो ट्रकों के बीच में फंस गया था। इसमें 6 लोगों की मौके पर मौत हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने मानक से अधिक सवारी बैठाने वाले ऑटो के खिलाफअभियान शुरू किया। चौराहों पर बेतरतीब खडे ऑटो और वाहनों को हटाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को न्यू आगरा थाना क्षेत्र में भगवान टॉकीज और दयालबाग जाने वाली सड़क पर अभियान चलाया गया। न्यू आगरा थाने के बाहर खडेघ् सीज वाहनों को हटाया गया। सड़क पर अवैध रूप से लगे होर्डिंग हटाए गए। सड़क को घेर कर खडे होने वाली ठेलों को हटाया गया। अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी दी गई। जिन ऑटो में आगे सीट लगा रखी थी, उस सीट को हटाया गया। बुधवार को पुलिस ने रामबाग चौराहे पर अभियान चलाया था।

ट्रल बार एसोसिएशन चुनाव मैदान में 59 प्रत्याशी,पूर्वांचल की सबसे बड़ी बार का 16 को मतदान और 17 को मतगणना

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। पूर्वांचल की सबसे बड़ी सेंट्रल बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव 16 दिसंबर को होगा। चुनाव के लिए सेंट्रल बार एसोसिएशन में दावेदारी करने वाले प्रत्याशियों की बुधवार को अंतिम सूची जारी हो गई। अध्यक्ष और महामंत्री समेत विभिन्न पदों के लिए कुल 59 प्रत्याशी मैदान में हैं। नामांकन पत्रों की जांच के तीन दिन बाद लिस्ट निकाली गई है, इसके लिए कई बार बैठकें हुईं। चुनाव में लगभग 7000 से अधिक अधिवक्ता मतदाता के तौर पर पंजीकृत हैं जो अपना अध्यक्ष और महामंत्री चुनेंगे। 17 दिसंबर को कचहरी परिसर में ही मतगणना होगी।वरिष्ठ समिति के अध्यक्ष राधेलाल श्रीवास्तव बताया कि अंतिम सूची के प्रकाशन के बाद मतदान की तैयारी शुरू हो गई है। इसमें अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाधयक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव प्रशासन, संयुक्त मंत्री प्रकाशन एवं पुस्तकालय, आय व्यय निरीक्षक पदों पर नामांकन किए गए। कड़ी सुरक्षा और पुख्ता इंतजाम के बीच नामांकन के बाद सूची जारी की गई। वहीं कचहरी परिसर में विभिन्न प्रत्याशियों के लगे बनैर-पोस्टर अब तक न हटने पर वरिष्ठ समिति ने नाराजगी जताई है। कई प्रत्याशियों ने प्रचार सामग्रियां हटा ली हैं जबकि कुछ की यथावत हैं। सेंट्रल बार में अध्यक्ष पद के लिए प्रभात सिंह, प्रभाशंकर मिश्र, मुरलीधर सिंह व मंगलेश कुमार दूबे मैदान में हैं। वहीं महामंत्री के लिए अखिलेश कुमार तिवारी, अनूप कुमार सिंह, किशन यादव, कृपाशंकर श्रीवास्तव, जवाहिर लाल गुप्ता, नृपेन्द्र प्रताप सिंह 'नन्हे, प्रतिमा पांडेय, प्रमोद कुमार सिंह, माधव प्रसाद पांडेय, सुभाष नंदन चतुर्वेदी, सुरेंद्रनाथ पांडेय, राजेश कुमार गुप्ता मैदान में उतरे हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए अजय कुमार सिंह, राजेंद्र प्रसाद पाठक, विमला यादव, शाहनवाज खान, संजय कुमार श्रीवास्तव व सरमू यादव ने नामांकन किया है। कनिष्ठ उपाध्यक्ष में अमित कुमार सिंह, आशुतोष यादव, चंदन त्रिपाठी, जितेंद्र यादव 'गुड्डू, मीना देवी, योगेश कुमार उपाध्याय व सूर्यभान तिवारी शामिल हैं।

अखिलेश-ओवैसी पर एफॅआईआर हो या नहीं...15 दिसंबर को होगी सुनवाई

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। ज्ञानवापी मामले में बयानबाजी पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी सहित 2000 अज्ञात के खिलाफएफॅआईआर दर्ज करने की मांग पर सुनवाई जारी है। इस मामले में आज यानि 7 दिसंबर को वाराणसी के अपर सत्र न्यायाधीश नवम विनोद यादव की कोर्ट में सुनवाई टल गई। अब 15 दिसंबर सुनवाई के लिए नई तारीख दी गई है। प्रतिवादी अखिलेश यादव की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव ने पक्ष रख चुके हैं। असदुद्दीन ओवैसी को ओर से अधिवक्ता एहतेशाम आब्दी और शवनवाज परवेज ने कोर्ट में अपना जवाब दाखिल कर चुके हैं। अन्य आरोपियों को जज ने जवाब देने के लिए अब अंतिम मौका दिया है। इसके बाद

जज सभी पक्षों को सुनेंगे। वहीं वादी यानी हरिशंकर पांडेय ने fir दर्ज करने की मांग की है। अपर जिला जज (नवम) की अदालत में प्रतिवादी पक्ष यानी अखिलेश यादव, असदुद्दीन ओवैसी पर सिविल कोर्ट के एडवोकेट हरिशंकर पांडेय का आरोप है कि वजूखाने में मिले कथित शिवलिंग को लेकर इन लोगों ने धार्मिक भावनाएं आहत करने वाला बयान दिया था। अखिलेश यादव कहा था, पीपल के पेड़ के नीचे पत्थर रख कर झंडा लगा दो तो वही भगवान और शिवलिंग हैं। जबकि असदुद्दीन ओवैसी ने कहा था, ष्हम अब किसी और मस्जिद को खोने नहीं देंगे, ज्ञानवापी फैसला पूजा स्थल अधिनियम 1991 के खिलाफ है। ये भविष्य में ऐसे बहुत से मसलों को खोल देगा। देश में अस्थिर प्रभाव पैदा कर सकता है। एडवोकेट हरिशंकर पांडेय के अनुसार- दोनों नेताओं ने इस तरह के बयान देकर हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया है। इसको लेकर कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें कहा था, पूज्य शिवलिंग जहां मिला है, वहां हाथ-पैर धोए जाने, थूकने और गंदा पानी बहाने से असंख्य सनातन धर्मियों का मन पीड़ा से भरा है। आरोपियों ने साजिश के तहत स्वयंभू आदि विश्वेश्वर के शिवलिंग को फव्वारा कह कर सनातनधर्मियों की आस्था पर कुठाराघात और आमजन में विद्वेष फैलाने का काम किया है।

19 दिसंबर से होगी अग्निवीर सेना भर्ती रैली,तैयारियों को लेकर डीएम और एसपी ने की बैठक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अमेठी। अमेठी में आगामी 19 दिसंबर से शुरू हो रही अग्निवीर सेना भर्ती रैली की तैयारियों को लेकर देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम राकेश कुमार मिश्र और एसपी डॉ इलामारन जी ने सेना के अधिकारियों और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में डीएम ने एडीएम वित्त एवं राजस्व को सेना भर्ती रैली को लेकर अधिकारियों और मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। साथ ही जिन अधिकारियों की ड्यूटी रैली आयोजन में लगाई जाए, वह अधिकारी रैली से पूर्व आयोजन स्थल का निरीक्षण कर लें एवं रैली के दौरान वहां अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर अपनी देखरेख में काम कराएं। इसके अलावा डीएम ने सेना भर्ती रैली में प्रतिभाग कर रहे अभ्यर्थियों के डॉक्यूमेंट की जांच के लिए बीएसए व डीआईओएस को अध्यापकों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए एवं जिला क्रीड़ा अधिकारी को डॉक्यूमेंट की जांच एक कक्ष की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को रैली स्थल पर एम्बुलेंस, मेडिकल टीम, आवश्यक दवाओं एवं अन्य उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया, जबकि एआरएम रोडवेज को सेना भर्ती रैली के दौरान अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। अग्निशमन विभाग को रैली स्थल पर फायर उपकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। सेना भर्ती रैली के दौरान प्रतिदिन स्टेडियम की साफ सफाई के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए और वहां पर पानी के टैंकर व मोबाइल टॉयलेट की पर्याप्त व्यवस्था भी सुनिश्चित करने का आदेश दिया। विद्युत व्यवस्था के लिए अधिशासी अभियंता विद्युत को सुचारू रूप से विद्युत सप्लाई सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही ठंड के दृष्टिगत अलाव भी जलवाने के निर्देश दिए। सेना भर्ती रैली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस विभाग को निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने रेलवे स्टेशन एवं बस स्टेशन से रैली स्थल तक अभ्यर्थियों के जाने के लिए सांकेतिक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। कर्नल एसके मोर ने बताया कि डॉ भीमराव आंबेडकर स्टेडियम अमेठी में 19 दिसंबर से 27 दिसंबर तक भर्ती का आयोजन किया जाएगा।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

अमेठी। जिले में आज सुबह एक युवक का पास के गांव के बाहर स्थित बाग में पेड़ से शव लटका मिलने से हड़कंप मच गया। शव मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक कल देर शाम अपने घर से किसी काम से निकला था। पूरा मामला मोहनगंज थाना क्षेत्र के खुदाबक्श का पुरवा फूला गांव का है। यहां के रहने वाले युवक मो अंसार (33) पास में लगी एक बेकरी की फैक्ट्री में काम करता था। अंसार कल शाम किसी काम से घर से निकला, लेकिन घर नहीं पहुंचा। देर रात तक परिजन उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। आज सुबह अंसार का शव पास के ही गांव बधौना गांव के बाहर स्थित बाग में बबूल की पेड़ से रस्सी के सहारे लटका मिला। शव मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मोहनगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से उतारकर कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं पूरे मामले पर सीओ अजय सिंह ने कहा कि आज सुबह बधौना गांव के बबूल के बाग में एक युवक का पेड़ से लटका शव मिला।

अशरफ, सद्दाम और जैनब की तिकड़ी ने बनाया था वसूली का अलग गैंग, भाई के काम के बीच में नहीं आया अतीक

प्रयागराज।अशरफ के ससुराल वालों की वसूली से अतीक गैंग में कई बार झगड़ा भी हो गया था लेकिन भाई के प्रेम में अतीक ने अपने ही गुर्गों को शांत करा दिया था।अशरफ, उसकी पत्नी जैनब और साले सद्दाम की तिकड़ी ने वसूली का एक अलग गैंग भी बना लिया था। अशरफ की वसूली अतीक की वसूली से एकदम अलग थी। अशरफ के ससुराल वालों की वसूली से अतीक गैंग में कई बार झगड़ा भी हो गया था लेकिन भाई के प्रेम में अतीक ने अपने ही गुर्गों को शांत करा दिया था। वसूली का यह खेल अतीक और अशरफ की हत्या तक चलता रहा। अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि जैनब और उसके मायकों वालों ने किन लोगों के नाम पर कितनी संपत्ति अर्जित की।अशरफ और उसकी पत्नी जैनब शादी के कुछ महीनों बाद से अतीक के चकिया स्थित घर से चले गए थे। जैनब पूरामुफ्ती के सल्लाहपुर स्थित अपने मायके चली गई थी। अशरफ भी अधिकांश वहीं रहता था। यूं तो अशरफ अपने भाई अतीक से अलग नहीं हुआ था लेकिन उसने गिरोह से अलग अपनी वसूली शुरू कर दी थी।सल्लाहपुर में उसने अपना आलीशान मकान बनवाया था। साला सद्दाम ही प्रदेश के कई बिल्डरों, उद्योगपतियों और बड़े दुकानदारों से वसूली करता था। इसके अलावा प्रदेश भर में विवादित जमीनों को खाली कराने के लिए अशरफ मोटा पैसा लेता था। कई बार ऐसा हुआ कि अतीक के गुर्गों और सद्दाम के बीच वसूली को लेकर विवाद हो गया।हालांकि, अतीक ने हर बार बीच में आकर अशरफ का ही साथ दिया।

शादी के 8वें दिन नवविवाहिता ने की आत्महत्या,5 लाख नगद और बड़ी कार मांग रहे थे

दो शातिर लुटेरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

नोएडा। ग्रेटर नोएडा की पुलिस ने दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। यह शातिर किस्म के लुटेरे होने के अलावा गांजा तस्कर भी हैं, जो चोरी की मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर गांजे की तस्करी किया करते थे। पुलिस ने इन लोगों के कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल और 3 किलो से ज्यादा गांजा बरामद किया है।दरअसल थाना बीटा-2 पुलिस ने लोकल इंटेलीजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर एटीएस गोलचक्कर के पास से दो शातिर लुटेरों देवन व बंटी को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी की फर्जी नम्बर प्लेट लगी एक बाइक व 3 किलो 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है। यह क्षेत्र में गांजे की तस्करी करने के लिए आए हुए थे लेकिन पुलिस ने गोपनीय सूचना के आधार पर इन्हें गिरफ्तार कर लिया। बीटा 2 थाना प्रभारी ने बताया कि यह दोनों बड़े ही शातिर किस्म के अपराधी हैं जो कि स्नैचिंग, चोरी, वाहन चोरी व गांजा तस्करी की घटनाएं नोएडा, ग्रेटर नोएडा व दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में करते थे।

यह आरोपी पुलिस को धोखा देने की नियत से चोरी की बाइक पर फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर अवैध गांजे को पुड़िया में रखकर बेचकर अवैध धन अर्जित किया करते थे। पूछताछ के दौरान इन्होंने दिल्ली, नोएडा, एनसीआर क्षेत्र में चोरी, स्नैचिंग, वाहन चोरी व गांजा तस्करी की लगभग एक दर्जन से अधिक घटनाएं करना कबूला है। उन्होंने बताया कि इन लोगों के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

प्रयाग दर्पण संवाददाता

आगरा। जिले में एक नवविवाहिता ने शादी के आठवें दिन ही फांसी के फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। नवविवाहिता के परिजनों को जब इस बारे में पता चला तो वह मौके पर पहुंचे। उनकी बेटी फांसी के फंदे से लटकी हुई थी। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना थाना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और नव विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने उसके पति, ससुर, सास व कई लोगों के खिलाफ थाना हरी पर्वत में शिकायत दी है। ससुरालियों पर शादी के अलावा अतिरिक्त दहेज मांगने और दहेज न देने पर बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस इस पूरे मामले में जांच पड़ताल कर रही है। आगरा के 39 त्रिवेणी नगर गड़ी भदोरिया के रहने वाले आनंद कुमार भृगु ने अपनी बेटी संध्या का विवाह 29 नवंबर को ज्ञानेश कुमार पुत्र महेश चंद्र निवासी रतनपुर थाना हरी पर्वत के साथ विधि विधान से किया था। ज्ञानेन्द्र सिंह दिल्ली में प्राइवेट जॉब करता है। आनंद कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी हैसियत के हिसाब से बेटी को दहेज में ऑल्टो कार और तीन लाख रुपये की नकदी दी थी। करीब 16 लाख रुपए की शादी संपूर्ण की थी। आनंद कुमार ने बताया कि 3 दिसंबर को वह अपनी बेटी को विदा करा कर अपने घर वापस ले आए थे। जिसके बाद

उनकी बेटी ने बताया कि उसका पति ज्ञानेश कुमार और ससुराल के अन्य लोग उनसे अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस बार जब तुम घर वापस लौट कर आओ तो 5 लाख नगद और करीब 10 से 12 लाख रुपए कीमत की चार पहिया वाहन लेकर आना। अगर तुम यह चीज लेकर नहीं आती तो यहां मत आना और अगर खाली हाथ घर वापस आई तो तुम्हारे साथ अंजाम बुरा हो सकता है। बेटी ने बताया था कि पति शराब पीते हैं। इस पर आनंद कुमार ने दामाद को फोन कर शराब पीने से मना किया। दामाद ने कहा कि शादी की पार्टी की वजह से शराब पी थी। आगे से वो ऐसा नहीं करेंगे। इस दौरान बेटी ने ये भी कहा था कि सास ने उसे ये भी ताना मारा कि बेटे के दहेज में बड़ी कार मिल रही थी, यहां से तो छोटी कार ही दी गई। पिता आनंद कुमार ने बताया कि 5 दिसंबर को मेरी बेटी संध्या को लेने के लिए उसका पति ज्ञानेश और उसका दोस्त मोहित मेरे घर पर आए। हंसी-खुशी मैंने अपनी बेटी को उनके साथ विदा किया। इस दौरान संध्या के पति ज्ञानेश ने चलते हुए कहा कि तुम्हारी बेटी ने तुम्हें कुछ बताया होगा उसकी व्यवस्था कर लेना। मैंने कहा कि बेटा मैंने शादी में बहुत कुछ खर्च किया है और समय-समय पर देता रहूंगा। संध्या के पिता ने बताया कि 6 दिसंबर को रात्रि करीब 12.00 बजे हमारे पास संध्या की सास का कॉल आया। उन्होंने बताया कि तुम्हारी बेटी की मृत्यु हो गई है। जिसके बाद हम अपनी बेटी की ससुराल पहुंचे तो हमारी बेटी फांसी के फंदे पर मृत लटकी हुई मिली। उसकी लाश कमरे में फंदे पर लटकी हुई थी और पैर जमीन से छू रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक के पिता का कहना है कि दहेज की पूर्ति न होने के चलते मेरी बेटी के पति ज्ञानेश, सास, ससुर व ससुराल के अन्य लोगों ने षड्यंत्र के तहत उसकी हत्या कर दी है। मृतक नवविवाहिता के भाई मोहित ने बताया कि शिकायत के आधार पर थाना पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में पति, उसके भाई और चचेरे भाई, दोस्त, मां और चाची को हिरासत में लिया गया है।

बॉयज हॉस्टल में निकला 8 फीट लंबा अजगर,वाइल्डलाइफने किया रेस्क्यू

आगरा। आगरा के शारदा वर्ल्ड स्कूल में लड़कों के छात्रावास में आठ फीट लंबा अजगर घुस आया। सुबह ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने विशाल अजगर को देखा, जिससे बॉयज हॉस्टल में अफरा-तफरी मच गई। वाइल्ड लाइफएसओएस ने अजगर को रेस्क्यू किया। शारदा वर्ल्ड स्कूल के बॉयज हॉस्टल की रसोई में अजगर बैठा था। अजगर को देखकर हड़कंप मच गया। गार्ड ने अधिकारियों को इसकी सूचना दी। आठ फुट लंबा अजगर गैर-जहरीली सांप की प्रजाति है। उसको सकुशल वाइल्डलाइफ एसओएस टीम ने सुरक्षित रूप से पकड़ा। वाइल्डलाइफ एसओएस के पशु चिकित्सकों द्वारा गहन चिकित्सकीय परीक्षण के बाद, अजगर को अच्छे स्वास्थ्य में पाया गया, जिसके बाद उसे मानव बस्तियों से दूर जंगल में छोड़ दिया गया। वाइल्डलाइफएसओएस के सह-संस्थापक और सीईओ कार्तिक सत्यनारायण ने कहा, हम स्कूल स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों की त्वरित सोच और प्रतिक्रिया की सराहना करते हैं। सर्दियों के दौरान अजगर आमतौर पर सूरज की गर्मी का आनंद लेने के लिए अपने बिलों से बाहर आते हैं। यह इन एक्टोथर्मिक जानवरों के लिए गर्मी का एकमात्र स्रोत है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादकः-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।